डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:- aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-5

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः बीते दो महीनों में 17 फिल्मों में हुई भिड़ंत

वर्ष -08 अंक -133 | प्रयागराज, मंगलवार, 02 अगस्त, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

क्या झारखंड में गिर जाएगी हेमंत सोरेन सरकार, भाजपा वापस सत्ता में आएगी

बंगाल। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में शनिवार को पुलिस ने झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों को पकड़ा। इनके पास से 48 लाख रुपये बरामद हुए। इसके बाद सियासी गलियारे में तूफान आ गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ये भाजपा का ऑपरेशन 'लोटस' का एक हिस्सा था, जिसकी समय से पहले ही पोल खुल गई। झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने यहां तक कह दिया कि भाजपा लंबे अरसे से हेमंत सोरेन सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश का इस मामले में सबसे पहले ट्वीट सामने आया। इसमें उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि झारखंड में भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' आज की रात हावड़ा में बेनकाब हो गया। दिल्ली में 'हम दो' का गेम प्लान झारखंड में वही करने का है जो उन्होंने महाराष्ट्र में एकनाथ-देवेंद्र (ईडी) की जोड़ी से करवाया। जयराम रमेश के बाद झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की का बयान आया। उन्होंने घटनाक्रम के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लंबे अरसे से हेमंत सोरेन सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है।

आतंकी संगठन ISIS के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। छह राज्यों में की छापेमारी, कई अवैध सामग्री जब्तसंदिग्ध आतंकी गतिविधियों के मामलों में एनआईए द्वारा 25 जून 2022 को आईपीसी की धारा 153ए, और 153बी और यूए (पी) अधिनियम की धारा 18, 18बी, 38, 39 और 40 के तहत मामला दर्ज किया गया था।राष्ट्रीय जांच

एजेंसी (र्न्ईं)ने आज आईएसआईएस की गतिविधियों से संबंधित मामले में छह राज्यों में संदिग्धों के 13 परिसरों की तलाशी ली। एनआईए की इस कार्रवाई में आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। मध्य प्रदेश में भोपाल और रायसेन जिले; गुजरात में भरूच, सूरत, नवसारी और अहमदाबाद जिले, बिहार में अररिया जिला, कर्नाटक में भटकल और तुमकुर शहर जिले, महाराष्ट्र में कोल्हापुर और नांदेड़ जिले और उत्तर प्रदेश में देवबंद जिले घ्घ्घ की गतिविधियों से संबंधित हैं। एनआईए द्वारा 25 जून 2022 को आईपीसी की धारा 153ए, और 153बी और यूए (पी) अधिनियम की धारा 18, 18बी, 38, 39 और 40 के तहत मामला दर्ज किया गया था।उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रविवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी एटीएस ने देवबंद में छापा मारकर एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया है। बताया कि संदिग्ध युवक एक मदरसे का छात्र है। वह आईएस मॉड्यूल से संपर्क में था।

12 अधिकारी- 03 ठिकाने आठ घंटे से जारी छापेमारी

नई दिल्ली। संजय राउत के घर पर ईडी की टीम पहुंची है। उन पर जांच में सहयोग न करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम 1000 करोड़ से ज्यादा के पात्रा चॉल जमीन घोटाला मामले में उनसे पिछले आठ घंटे से पूछताछ कर रही है। शिवसेना नेता संजय राउत के घर पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम को

दाखिल हुए आठ घंटे से ज्यादा समय हो चुका है। जानकारी के मुताबिक, राउत के घर पर 12 अधिकारी जांच कर रहे हैं। वहीं दो अन्य टीमें उनके अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। इस बीच राउत खिड़की से घर के बाहर भी झांकते हुए नजर आए थे। इसका एक वीडियो भी सामने आया था। दरअसल, महाराष्ट्र के 1000 करोड़ से ज्यादा के पात्रा चॉल जमीन घोटाला मामले में ईडी की टीम संजय राउत से पूछताछ कर रही है। उन्हें 27 जुलाई को ईडी ने तलब किया था। हालांकि, वह अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए थे। इसके बाद ईडी के अधिकारी उनके घर पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि ईडी की टीम राउत को हिरासत में लेकर पूछताछ कर सकती है। राउत पर जांच में सहयोग न करने का आरोप है। इस बीच संजय राउत का ट्वीट सामने आया है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है, मेरा किसी घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है। यह मैं शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की शपथ लेकर कह रहा हूं। बालासाहेब ने हमें लड़ना सिखाया है। मैं शिवसेना के लिए लड़ना जारी रखूंगा। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को झूठी कार्रवाई बताया। कहा झूठे सबूत हैं। मैं शिवसेना नहीं छोड़ूंगा, मैं मर भी जाऊं तो समर्पण नहीं करूंगा। इस बीच भाजपा नेता किरीट सोमैया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है, मैंने संजय राउत की लूट के सबूत दिए थे। प्रदेश की जनता को लूटने वाले राउत का आज हिसाब होगा। उन्हें नवाब मलिक के पास रहने के लिए जेल जाना ही होगा। वहीं नीतेश राणे ने कहा है कि अब चॉल की जनता को इंसाफ मिलेगा7 जो रोज लोगों की सुबह खराब करते थे, उनकी सुबह खराब हो गई। राउत के घर के बाहर समर्थक मौजूद संजय राउत के घर पर जैसे ही ईडी की टीम के पहुंचने की खबर सामने आई। उनके समर्थक भी घर पर पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, संजय राउत के समर्थक, उनके आवास 'मैत्री' के बाहर ही डटे हुए हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। सामने आया है कि ईडी की तीन टीमों ने एक साथ छापा मारा है। एक टीम राउत के मुंबई स्थित उनके घर पहुंची है, तो दो टीमें राउत के अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। क्या है पात्रा चॉल घोटाला यह मामला मुंबई के गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल से जुड़ा है। यह महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवेलपमेंट अथॉरिटी का भूखंड है। इसमें करीब 1034 करोड़ का घोटाला होने का आरोप है। इस केस में संजय राउत की नौ करोड़ रुपये और राउत की पतनी वर्षा की दो करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हो चुकी है। आरोप है कि रीयल एस्टेट कारोबारी प्रवीण राउत ने पात्रा चॉल में रह रहे लोगों से धोखा किया। एक कंस्ट्रक्शन कंपनी को इस भूखंड पर 3000 फ्लैट बनाने का काम मिला था। इनमें से 672 फ्लैट पहले से यहां रहने वालों को देने थे। शेष एमएचएडीए और उक्त कंपनी को दिए जाने थे, लेकिन वर्ष 2011 में इस विशाल भूखंड के कुछ हिस्सों को दूसरे बिल्डरों को बेच दिया गया था। कैसे उजागर हुआ मामला दरअसल, वर्ष 2020 में महाराष्ट्र में सामने आए पीएमसी बैंक घोटाले की जांच हो रही थी। तभी प्रवीण राउत की उक्त कंस्ट्रक्शन कंपनी का नाम सामने आया था। तब पता चला कि बिल्डर राउत की पतनी के बैंक खाते से संजय राउत की पतनी वर्षा राउत को 55 लाख रुपये का कर्ज दिया गया था। आरोप है कि संजय राउत ने इसी पैसों से दादर में एक फ्लैट खरीदा था। प्रवीण राउत गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व निदेशक हैं।

संजय राउत से अमीर हैं उनकी पत्नी असलहे से लेकर जमीन तक

महाराष्ट्र। शिवसेना सांसद संजय राउत एक बार फिर चर्चा में हैं। पात्रा चॉल भूमि घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए संजय राउत के घर पर छापा मारा। दो अन्य टीमें उनके अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। माना जा रहा है कि ईडी राउत को हिरासत में ले सकती है। राउत से पूछताछ भी की जा रही है। इस मामले में संजय राउत की पत्नी

वर्षा राउत पर भी आरोप है। 2016 में राज्यसभा का चुनाव लड़ते समय संजय राउत ने चुनाव आयोग को हलफनामा दिया था। इसमें उन्होंने अपनी संपत्ति का जिक्र किया था। संजय और उनकी पत्नी वर्षा के पास कैश, बैंक खाते में डिपॉजिट, गाड़ी, गहने मिलाकर कुल 2.30 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। संजय के नाम एक रिवॉल्वर और एक पिस्टल दर्ज है इसके अलावा 2004 मॉडल की एक कार भी है। संपत्ति के मामले में वर्षा अपने पति और सांसद संजय राउत से कहीं ज्यादा आगे हैं। वर्षा के पास 22 लाख के गहने हैं। वह अपनी कंस्ट्रक्शन फर्म में पार्टनर भी हैं।अचल संपत्ति की बात करें तो संजय के पास रायगढ़ में एक घर और कुछ एग्रीकल्चर लैंड है। वहीं, वर्षा के नाम रायगढ़ के साथ-साथ पालघर में भी प्लॉट है। इसके अलावा वर्षा के नाम अलीबाग रायगढ़ में आठ प्लॉट हैं। ये प्लॉट 2010 से लेकर 2012 तक खरीदी गए हैं। वर्षा के नाम मुंबई में कॉमर्शियल लैंड भी है। वर्षा की मुंबई में दो दुकान और एक ऑफिस है। ये सभी पॉश इलाके में हैं। संजय राउत के नाम मुंबई में दो फ्लैट हैं, वहीं वर्षा के नाम पर भी मुंबई में दो फ्लैट हैं। इस तरह से संजय राउत के पास कुल 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है, जबकि उनकी पत्नी के पास 7.10 करोड़ रुपये की संपत्ति है। मुंबई के गोरेगांव में एक चॉल है। इसका नाम पात्रा चॉल है। यहां गरीब लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। मामला 2007 का है। तब महाराष्ट्र में कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन की सरकार थी। मुख्यमंत्री थे विलासराव देशमुख। सरकार ने एक योजना बनाई। कहा- पात्रा चॉल में रहने वाले 672 किराएदारों को फ्लैट मिलेगा। इसके लिए हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड यानी एचडीआईएल की सहायक कंपनी गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन को महाराष्ट्र हाउसिंग एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएचडीए) ने कॉन्ट्रैक्ट दे दिया। कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक, गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन की तरफ से 672 फ्लैट चॉल के किराएदारों को देने होंगे और तीन हजार फ्लैट एमएचडीए को हैंडओवर करना होगा। 47 एकड़ जमीन पर ये फ्लैट बनने थे। तय ये भी हुआ था कि किराएदारों और एमएचडीए के लिए फ्लैट तैयार करने के बाद जो जमीन बच जाएगी उसे बिक्री और विकसित करने के लिए अनुमति देनी होगी। सबकुछ तय था कि कौन-कौन क्या करेगा और कैसे करेगा। लेकिन कॉन्ट्रैक्ट लेने वाली फर्म गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन ने ऐसा नहीं किया। फर्म ने न तो चॉल के लोगों के लिए फ्लैट बनाए और न ही एमएचडीए को कोई फ्लैट दिया। कंपनी ने जमीन आठ अन्य बिल्डरों को 1,034 करोड़ रुपये में बेच दी।इस घोटाले में गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन और हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड यानी एचडीआईएल के लोग शामिल थे। ये कंपनी देश के चर्चित पीएमसी घोटाले में भी शामिल है। कंपनी के डायरेक्टर ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर बैंक कर्मचारियों और अफसरों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से लोन लिया। फिर कंपनी के एनपीए को खत्म करने के लिए 250 करोड़ रुपये का फेक डिपॉजिट बैंक में दिखाया गया। इसके बाद बैंक ने फिर से एनपीए वाली कंपनी एचडीआईएल को फ्रेश लोन दे दिया। अब आप सोच रहे होंगे कि इस घोटाले से शिवसेना सांसद संजय राउत का क्या लेना-देना है तो सुनिए... जिस एचडीआईएल ने ये दोनों घोटाले किए थे, उसके डायरेक्टर प्रवीण राउत, सारंग वधावन, राकेश वधावन हैं। प्रवीण राउत और सारंग को 2020 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने

एनएसजी की ट्रेनिंग, तमिलनाडु सीएम को सुरक्षा दी

नई दिल्ली। आईपीएस अफसर संजय अरोड़ा दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर बनाए गए हैं। 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी अरोड़ा तमिलनाडु कैडर से आते हैं। संजय कल यानी एक अगस्त, 2022 को राकेश अस्थाना की जगह दिल्ली पुलिस कमिश्नर का पदभार ग्रहण करेंगे। संजय अरोड़ा मूल रूप से विरप्पन गैंग के खिलाफ बड़ा अभियान भी चलाया। इसके लिए संजय को गैलेंटरी अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 1991 में एनएसजी की ट्रेनिंग करने के बाद संजय अरोड़ा को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई। उस दौरान तमिलनाडु में लिट्टे की आतंकी

राजस्थान के जयपुर के रहने वाले हैं। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर (राजस्थान) से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में सनतक की डिग्री हासिल की है। 1988 में संजय ने सिविल सर्विसेज परीक्षा पास की और आईपीएस बने। संजय को तमिलनाडु कैडर मिला। तमिलनाडु के कई जिलों में एसपी रहे। इसके बाद स्पेशल टास्क फोर्स का नेतृत्व भी किया। इस दौरान उन्होंने गतिविधियां हावी थीं। मुख्यमंत्री की जान को भी खतरा था। तब संजय ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा की व्यवस्था की। 1997 से 2002 तक वह इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के कमांडर के तौर पर भी काम किया। इसके बाद 2002 से 2004 तक वह कोयंबटूर के पुलिस कमिश्नर भी रहे। एडीजीपी ऑपरेशंस और एडीजीपी एडमिनिस्ट्रेशन के पदों पर भी काम कर चुके हैं।

फिर चर्चा में टीना डाबी की IAS बहन, गहलोत सरकार ने दी नई जिम्मेदारी

राजस्थान। कैडर की दो IAS बहनें टीना और रिया डाबी अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी उनकी निजी जिंदगी सुखियों में रहती है, तो कभी प्रोफेशनल लाइफ। ऐसे में 2016 बैच की आईएएस टॉपर टीना डाबी की छोटी बहन रिया डाबी एक बार फिर से चर्चा का विषय बन गई हैं। रिया डाबी की बड़ी बहन व आईएएस टॉपर टीना डाबी कुछ दिन पहले चर्चा का विषय बनीं थीं। उन्हें जैसलमेर का कलेक्टर नियुक्त किया गया था। इसकी जानकारी खुद टीना डाबी ने अपने इंस्टाग्राम के माध्यम से दी थी। उन्होंने अपनी एक खूबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की थी। वह जैसलमेर की 65वीं कलेक्टर बनीं हैं। हाल ही में उन्होंने आईएएस प्रदीप गवांडे से शादी की थी। राजस्थान की गहलोत सरकार ने रिया डाबी को अलवर में बतौर असिस्टेंट कलेक्टर के पद पर तैनात किया है। रिया के साथ उनके बैच के छह आईएएस अधिकारियों को ट्रेनिंग के लिए जिले अलॉट किए गए हैं। रिया को बतौर असिस्टेंट कलेक्टर और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (ट्रेनिंग) लगाया गया है। रिया डाबी का बतौर ट्रेनी अफसर कार्यकाल बेहतर रहता है तो वह एक रिकॉर्ड भी बना सकती हैं। दरअसल, इस कार्यकाल के बाद रिया को नई जिम्मेदारी दी जाएगी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि बेहतर कार्यकाल के बाद उन्हें किसी जिले का कलेक्टर भी बनाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो वह सबसे कम उम्र में किसी जिले की कलेक्टर बन जाएंगी। राजस्थान कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार 2021 बैच के सभी छह आईएएस अधिकारी वर्तमान में मसूरी में ट्रेनिंग कर रहे हैं। 19 अगस्त को ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन्हें वहां से रिलीव किया जाएगा। इसके बाद उन्हें एक सितंबर को जयपुर में एचसीएम रीपा में रिपोर्ट करने के आदेश दिए हैं। रिया डाबी की सफलता का राज उनकी आईएएस टॉपर बहन टीना डाबी है।

ईडी से डरने वाले हमारी पार्टी में न आएं' बोले सीएम शिंदे, मंत्रालयों के आंवटन पर भी दिया जवाब

महाराष्ट्र। के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज मंत्रालयों के आवंटन और ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने शिवसेना सांसद संजय राउत को लेकर भी बड़ा बयान दिया महाराष्ट्र में मंत्रालयों के आवंटन और ईडी की कार्रवाई पर जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज मीडिया के सवालों का जवाब दिया। सबसे पहले उन्होंने मंत्रालय के आवंटन पर बात करते हुए कहा कि राज्य के मंत्रिमंडल के गठन के लिए मंत्रालयों का आंवटन जल्द तय किया जाएगा। हम उपमुख्यमंत्री के साथ मिलकर राज्य के विकास पर काम कर रहे हैं। से डरते हैं वे हमारी पार्टी में न आएंः शिंदे वहीं जब पत्रकारों ने सीएम शिंदे से संजय राउत के खिलाफ ईडी कार्रवाई पर सवाल पूछा तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि इसकी जांच चल रही है। अगर

उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है तो वे डर क्यों रहे हैं वह एक बड़े नेता थे। शिंदे ने कहा कि वैसे लोग हमारी पार्टी में न आएं जिन्हें ईडी से डर लगता है। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने पहले भी जांच की थी। अगर ईडी केंद्र सरकार के डर से काम करता है तो सुप्रीम कोर्ट को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। ईडी अपना काम कर रही है। जांच एजेंसी शिकायत मिलने पर तो जांच करती हैः अजीत पवार वहीं ईडी का कार्रवाई पर ग्न्झ् नेता अजीत पवार ने कहा कि कई लोगों को ऊ का नोटिस मिला है। जांच एजेंसियां, चाहे फिर वह ईडी,ईडी से डरने वाले हमारी पार्टी में न आएं' बोले सीएम शिंदे, मंत्रालयों के आंवटन पर भी दिया जवाब या राज्य की एजेंसियां हो, ये सभी शिकायत मिलने पर जांच करती हैं। संजय राउत के मामले में यह बार-बार हो रहा है इसलिए इसके पीछे का सही कारण वही बता सकते हैं। सिर्फ महाराष्ट्र में ही भ्रष्टाचारी लोग है क्या अरविंद सावंत शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने भी ईडी का कार्रवाई को लेकर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि संजय राउत की वाणी और लेखनी दोनों डंक मारती है इसलिए उनसे भाजपा परेशान है जो विपक्ष में बात करेगा उसका मुंह बंद करो, धुलाई मशीन खाली है। जितने लोग आपके पास आए है उन लोगों पर भाजपा ने ही ईडी से डरने वाले हमारी पार्टी में न आएं' बोले सीएम शिंदे, मंत्रालयों के आंवटन पर भी दिया जवाब के इल्जाम लगाए थे, उसका क्या हुआ सिर्फ महाराष्ट्र में ही भ्रष्टाचारी लोग है, और राज्यों में नहीं है खुद राज्यपाल जी कहते है कि अगर मुंबई से गुजराती और मारवाड़ी निकल जाएंगे तो इसकी आर्थिक राजधानी का स्तर चला जाएगा। इसका मतलब पैसे वाले कौन हैं और छापेमारी किस पर हो रही है यह भाजपा करा रही है।

पर्यावरण संरक्षण हम सभी का दायित्व- अवधेश निषाद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव के पावन पर्व को संपूर्ण राष्ट्र हर्षोंउल्लास के साथ मना रहा

है! राष्ट्रीय सामाजिक संगठन एंटी क्राईम एंटी करप्शन टी. अपने दायित्वों का निर्वाह करते हुए, प्रयागराज स्थित चंद्र शेखर आजाद उद्यान के ऐतिहासिक प्रांगण में वृहद पौधरोपण के माध्यम से अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत का संकल्प लिया और विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अवधेश कुमार निषाद ने बताया कि, हमें अपनी प्राणवायु के संसाधन संजोने के साथ साथ समाज को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है जिससे आमजन भी पर्यावरण, पेड़ और पानी को संरक्षित करने में अपनी अपनी भूमिका निभा सकें! संगठन के सदस्यों ने पौधरोपण कर उसे संरक्षित करने संकल्प लिया कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन के प्रयागराज जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल, महिला प्रकोष्ठ की जिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा,वार्ड 64 के अध्यक्ष जाहिद अली,अनुराग जयसवाल, तफसीर उल हक,आरती कुशवाहा,मनीषा कुशवाहा ,शीजल कुशवाहा।

जिला अपराध निरोधक समिति द्वारा हर कदम पर दिया जा रहा है प्रशासन का साथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। गली मोहल्लों से लेकर , जुम्मे के नमाज हो या मंगलवार की बड़े हनुमान जी की भीड़, जिला अपराध निरोधक समिति पूरी सावधानी और संलिप्तता से अपना काम करती आ रही है।आज दिनांक 25 जुलाई 2022 को सावन के सोमवार को अत्यंत पुराने सोमेश्वर महादेव मंदिर पर अरैल पुलिस प्रशासन एसआई मनोज कुमार सिंह दीवान जी श्री शशिकांत पांडे जी के साथ यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा जी के साथ यूथ टीम के सदस्य शशांक मिश्र मीडिया प्रभारी, शनि श्रीवास्तव क्षेत्रीय प्रभारी, बलराम मिश्र थाना प्रभारी, सुरेंद्र कुमार साहू, बृजेश मौर्य,संदीप श्रीवास्तव, बबलू अली, शैलेंद्र मौर्य,सोनू भारतीय, पंकज तिवारी, राम कुमार पाल, सोहनलाल पांडे, विजय कांत दुबे आदि सभी सदस्य गण सहयोग करने में सम्मिलित थे।डीसीपीसी को हर जगह प्रशासन का सहयोग देते हुए देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के शब्द-शब्द कार्यकर्ताओं एवं जनता के लिए प्रेरणादाई है-दिलीप कुमार चतुर्वेदी

मोदी के मन की बात मे भी राष्ट्र सर्वोपरि विकास,सुशासन,रोजगार,प्रोत्साहन से भरा है-दिलीप कुमार चतुर्वेदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम दिनों-दिन देश का लोकप्रिय कार्यक्रम बनता चला जा रहा है। जनता मन की बात कार्यक्रम की मुरीद बन चुकी है। मोदी जी के मन की बात में राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र के लिए बलिदान होने वाले भारत माता के सच्चे सपूतों को नमन् करने के लिए स्वतंत्रता दिवस के 75 वें वर्षगां पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम युवाओं और देश वासियों के दिलो की धड़कन बनेगा। भारत माता की जयकारे, बंदे मातरम् और शहीदों को प्रभात फेरी द्धारा नमन् करते हुए जयकारें गुंजायमान होंगे। उक्त बातें मुख्य वक्ता मन की बातठकार्यक्रम के जिला संयोजक जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने रविवार को दोपहर शक्ति केंद्र घूरपुर के सेमरा कल्बना बूथ मे मन की बात सुनने के बाद कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। आगे बताया कि मन की बात कार्यक्रम मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकास,सुशासन,राष्ट्रवाद,रोजगार,खेल-खिलौनों से उत्साहवर्धन, रोजगार किसानों गरीबों मेलों आदि को बढ़ावा देने के लिए शब्द-शब्द कार्यकर्ताओं एवं जनता के लिए प्रेरणादाई बन चुके है। कार्यक्रम संयोजक दिलीप चतुर्वेदी ने आगामी कार्यक्रमों के बारें मे विस्तृत जानकारी घर-घर तिरंगा को सफल बनाने का आह्वान किया। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जसरा जगत शुक्ला ने करते हुए सफल कार्यक्रम की कार्यकर्ताओं को बंधाई देकर मोदी के मन की बात को व्यक्ति-व्यक्ति को प्रभावित करने वाला बताया। कार्यक्रम आयोजक जिला पंचायत सदस्य सुरेन्द्र सिंह पटेल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। वही विधायक बारा डॉ वाचस्पति ने अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात तो सुना सेमरा कल्बना में कार्यकर्ताओं ने मन की बात को

कर आभार जताया। कुशल संचालन जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ने किया। उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जय सिंह पटेल,जिला मंत्री प्रकाश शुक्ल प्रचंड, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविन्दर सिंह,जिला संयोजक पीसी पांडेय,राजा बाबू पाठक आदि ने बैठक को सम्बोधित बड़ी एलईडी टीवी के माध्यम से देखा और सुना कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल महामंत्री जसरा नीरज केसरवानी, उमेश शुक्ला,ग्राम प्रधान जसरा आशीष सोनकर,मनोज गुप्ता,प्रीतम चन्द्र,सुबोध जायसवाल, आलोक द्विवेदी, विकास वीडीसी, गोपाल केसरवानी,पंकज सिंह,दीप चन्द्र मोदन वाल,राम वेशरवानी,राजन मिश्रा,। संदीप द्विवेदी आदि के साथ भारी संख्या में बूथ समिति के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। पूरे यमुनापार के 1558 बूथो व 310 शक्ति केन्द्रो मे कार्यकर्ताओ जनप्रतिनिधियो ने सुनी मन की बात कार्यक्रम। संवाददाता राजेश मिश्रा आधुनिक समाचार बारा।

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय

जनता पार्टी किसान मोर्चा की टीम के साथ मुसहर बस्ती में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के चुने जाने पर एक बधाई समारोह का आयोजन किया गया। मातृशक्ति एवं बच्चों को मिठाई खिलाकर राष्ट्रपति को बधाई दी गई।साथ ही शुभकामनाओं के साथ उनके दीर्घ जीवन की प्रार्थना की गई।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सम्मानित कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सफल बनायें।इसी के साथ हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनायें।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता अपने कार्य के प्रति हमेशा संकल्पित होकर प्रगति पथ पर अग्रसर होता है। समस्त कार्यकर्ताओं के प्रति उन्होंने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दिलीप पांडे, जिला मंत्री सुनील मौर्या,अतुल शुक्ला,मंडल अध्यक्ष पृथ्वीगंज राजन मिश्रा, नगर अध्यक्ष सुनील दुबे, जिला कार्यसमिति सदस्य मनीष शुक्ला, निरंजन सिंह,मंडल अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा राजेश तिवारी आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम का सफल आयोजन पंकज उपाध्याय भाजपा किसान मोर्चा ने किया।

बिना कार्य करवाए ही ठेकेदार ने करवा लिया भुगतान, नहीं हो रही है कोई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जनपद में ठेकेदार के द्वारा सुसंगठित गिरोह बनाकर बिना कार्य करवाए ही भुगतान करवा लिया जा रहा है जिससे लोगों को भारी हानि उठानी पड़ रही हैइस जनपद में मेमर्स डीडी एसोसियेट्स तरौली,थाना करछना द्वारा एक करोड़ 17 लाख 12 हजार पर आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस सी 41 यूपी एस आई डीसी थाना औदयोगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज के निर्माण का ठेका लिया गया था। ठेकेदार ने छल, छद्म से पूरी धनराशि भुगतान करवा लिया जबकि 32लाख रुपए का निर्माण कार्य नहीं करवाया। समाचार पत्र के संपादक डॉ0पुनीत अरोरा ने इस बाबत01-12 -2021 को जिलाधिकारी/ पुलिस अधिकारियों /मुख्यमंत्री आदि को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही करने की माँग किया लेकिन आज तक कोई कार्यवाही उस ठेकेदार के विरुद्ध हो नहीं हो पाई है।न ही शेष कार्य का निर्माण करवाया गया है। इस एसोसिएट के प्रबंधक दिवाकर द्विवेदी से लेबर लाइसेंस, इपीएफ रजिस्ट्रेशन, ईएसआई रजिस्ट्रेशन की कॉपी भी माँगी गई थी लेकिन उसने उपलब्ध नहीं करवाई।इससे इस बात को बल मिलता है कि वह एक सुसंगठित गिरोह बनाकर केवल धन ठगने के कार्य में संलिप्त है।योगी सरकार में दबंगों,जालसाजों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की कार्यवाही करने की बात की जाती है लेकिन एक अखबार समूह को ठगने वाले इस ठेकेदार के विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही न होने से पत्रकारों में आक्रोश है।इस ठेकेदार के विरुद्ध जिलाधिकारी एवं पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यवाही न करना समझ से परे है।

जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक सम्पन्न,कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय, संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं बाल स्वास्थ्य पोषण माह की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में टीवी रोग नियंत्रण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने कन्टैक्ट ट्रेसिंग के मरीजों के चिन्हांकन पर जोर दिया। गत दो माह में चलाये गये विशेष अभियान में विभाग द्वारा किये गये कार्यो की सराहना की तथा जिला कार्यक्रम समन्वयक टीवी नियंत्रण हेमन्त कुमार शुक्ला तथा विकास खण्ड गौरा, बेलखरनाथधाम, सांगीपुर, लालगंज, बाबागंज एवं कुण्डा के एसटीएस को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने प्रतिमाह कैम्प लगाकर मरीजों के चिन्हांकन तथा उन्हें नियमित दवाई वितरण तथा उनके स्वास्थ्य के सम्बन्ध फालोअप किये जाने का निर्देश दिया। जनपद में बन रहे आयुष्मान काडों की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने वर्तमान समय में गोल्डेन कार्ड कम बनाये जाने पर नाराजगी व्यक्त तथा निर्देशित किया कि जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से नियमित गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की सीएमओ समीक्षा करें। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कोविड वैक्शीनेशन के सम्बन्ध में 75 दिनों का अभियान प्रारम्भ किया गया है, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया जिन व्यक्तियों को कोविड वैक्सीनेशन किया जाये उनका डेटा आनलाइन किया जाये। बाल स्वास्थ्य पोषण अभियान के सम्बन्ध में बताया गया कि 03 अगस्त से 03 सितम्बर तक 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देने हेतु अभियान चलाया जाना है। वीएचएनडी में बच्चों को खुराक उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी ने आरवीएसके टीम के डाक्टरों को अभियान की अवधि में वीएचएनडी के दिवस पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया। आयुष्मान कार्डधारकों के ईलाज की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कार्डधारकों को निःशुल्क ईलाज की सुविधा सम्बद्ध निजी अस्पतालों में तथा शासकीय अस्पतालों में सुनिश्चित की जाये ताकि कोई भी गरीब व्यक्ति ईलाज से वंचित न रहे। उन्होने सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर एक्सरे मशीनों का संचालन कराये जाने का निर्देश दिया ताकि एक्सरें की जांच हेतु मरीजों को बाहर न जाना पड़े। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के पर्यवेक्षण हेतु 13 स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारियों की तैनाती किये जाने के बावजूद उनके द्वारा क्षेत्र भ्रमण न करने एवं पर्यवेक्षण न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की तथा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया। संचारी रोग नियंत्रण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अपने विभाग के लक्ष्यों के अनुरूप सुअर बाड़ों में साफ-सफाई एवं फेन्सिंग का कार्य कराया जाये। उन्होने सुकर पालकों को साफ-सफाई के प्रति सचेत करने एवं जागरूक करने हेतु अपने कार्यालय में दूरभाष से सम्पर्क करने का निर्देश दिया। गांवों में जलभराव एवं जलजमाव एवं झाड़ियों की कटाई की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि कराये गये कार्यो की सूची एवं फोटोग्राफ उपलब्ध करायें। इसी तरह कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, जल निगम आदि विभागों द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जल निगम से समन्वय कर सभी परिषदीय विद्यालयों के हैण्डपम्प/पेयजल की शुद्धता की जांच करा ली जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सभी लच्छित विभागों द्वारा कराये गये कार्यो एवं उनकी समीक्षा करते हुये रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये। मातृत्व वन्दना योजना की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने इस योजनान्तर्गत कम पंजीकरण कराने पर नाराजगी व्यक्त की तथा आसुपर देवसरा, बाबाबगंज, बिहार में कम फीडिंग कराये जाने पर प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सचेत किया। आशाओ के भ्रमण में विकास खण्ड बिहार, शिवगढ़ एवं बाबागंज में सबसे कम प्रगति पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 गिरेन्द्र मोहन शुक्ल, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी विजय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित की मदद करने वाले लोगों को करें सम्मानित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने ए0आर0टी0ओ0 प्रर्वतन को निर्देश दिया कि विद्यालय से सम्बद्ध वाहन जो मानक को पूर्ण नही करते है ऐसे वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करें। उन्होने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि ऐसे विद्यालयों के प्रबन्धकों के साथ पृथक से बैठक की जाये तथा वाहन की उपयुक्तता, ड्राइवर एवं कनडेक्टर का चरित्र सत्यापन कराने के बाद ही छात्रों हेतु उपयोग की अनुमति दी जाये। ए0आर0टी0ओ0 ऐसे स्कूल वाहनों की रेण्डम जांच भी करें तथा उनके ड्राइवर का नेत्र परीक्षण तथा शराब आदि मद्यपान किये जाने पर कार्यवाही करें। उन्होने स्कूल वाहनें के गतिसीमा पर नियंत्रण किये जाने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं डीआईओएस को निर्देशित किया कि जनपद के ऐसे विद्यालय जिनमें वाहन का उपयोग छात्रों को लाने एवं ले जाने के लिये किया जा रहा है शासन के मानक के अनुरूप न पाये जाने पर विद्यालयों की मान्यता समाप्त करने हेतु कारण बताओ नोटिस निर्गत किया जाये तथा अभिभावकों को भी जागरूक किया जाये। इस तरह की बैठकें तहसील स्तर पर भी उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की जाये जिसमें स्कूलों के प्रबन्धक, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि एवं परिवहन विभाग के अधिकारी तथा सम्बन्धित सीओ प्रतिभाग करें। सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी के अधिकारियां को निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप जिन सड़कों पर स्पीड ब्रेकर नही बनाये गये है उनका सुधार किया जाय तथा जगह-जगह रोड पर अवैध कट बनाये गये है उन्हें समाप्त कराया जाय। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत चौराहों का चिन्हांकन कर लिया जाये वहां पर पीडब्लूडी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत समुचित प्रकाश की व्यवस्था करें। स्पीड ब्रेकर टेबिल टॉप की तरह ही बनाये जाये ताकि आवागमन में सुविधाजनक रहे। ट्रैफिक नियमों की जानकारी देने के लिये विद्यालयों में अभियान चलाया जाये तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक विद्यालयों में प्रार्थना के समय बच्चों को प्रशिक्षित करें। शहर में यातायात प्रबन्धन की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा ई-रिक्शा के संचालन को नियमित करने हेतु एआरटीओ से एक समिति प्रस्तावित करने का निर्देश दिया जिसमें एआरटीओ प्रर्वतन, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत/नगर पालिका, सीओ सिटी, उपजिलाधिकारी सदर, ई-रिक्शा के प्रतिनिधि एवं व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगें। यह समिति 15 दिवस सर्वे कर अपनी संस्तुति शहर में यातायात प्रबन्धन के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण के सम्बन्ध में एआरटीओ द्वारा बताया गया कि जनपद में कुल 35 संस्थायें वाहनों के प्रदूषण जांच हेतु पंजीकृत है जिनके द्वारा वाहनों को जांचोपरान्त सर्टिफिकेट निर्गत किये जा रहे है। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया तथा सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित की मदद करने वाले लोगों को सम्मानित करने हेतु निर्देश किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा, उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, प्राचार्य विन्ध्याचल सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी ने जनपद में 132/33 के0वी0 विद्युत पारेषण उपकेन्द्र मानधाता का किया गया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अमृत महोत्सव अवसर पर उज्जवल ''भारत-उज्जवल भविष्य-ऊर्जा'' 2047 के अन्तर्गत बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस के अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन लखनऊ से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में रूपये 2723.20 करोड़ की लागत से निर्मित 17 नग 400/200/ 132/33 के0वी0 पारेषण/वितरण उपकेन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद प्रतापगढ़ में 132/33 के0वी0 विद्युत पारेषण उपकेन्द्र मानधाता का लोकार्पण किया गया। एन0आई0सी0 सभागार प्रतापगढ़ में लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, सांसद प्रतिनिधि अभिषेक पाण्डेय, अधीक्षण अभियन्ता सत्यपाल, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत प्रेषण खण्ड राहुल मौर्य, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों व प्रतिनिधियों द्वारा देखा गया। इस अवसर पर विधायकगणों द्वारा कहा गया कि बिजली एवं ऊर्जा के क्षेत्र में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें चलायी जा रही है जिससे आमजनमानस लाभान्वित हो रहे है। निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत सत्यपाल ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ के विश्वनाथगंज क्षेत्र के भविष्य गत भार की पूर्ति हेतु 132/33 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र मानधाता का निर्माण कराया गया है। 132/33 केवी विद्युत उपकेन्द्र मानधाता एवं तत्सम्बन्धी लाइनों के निर्माण की कुल लागत रूपये 29.98 करोड़ है।लोगों को रोस्टर के अनुसार विद्युत की आपूर्ति की जा रही है, जिन घरों में बिजली कनेक्शन नही थे उन्हें पूर्व में मानधाता क्षेत्र का पोषण उपकेन्द्र प्रतापगढ़ तथा उपकेन्द्र कुण्डा के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता था। यह उपकेन्द्र क्षेत्र के निरन्तर बढ़ते भार के पोषण के परिपेक्ष्य में संतृप्त था। इसके अतिरिक्त इन उपकेन्द्र से निर्गमित 33 के0वी0 पोषक की लम्बाई अधिक होने तथा 01 अदद 33 के0वी0 लाइन से एक से अधिक 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों के संयोजन के कारण इस उपकेन्द्र से पोषित होने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या होती थी।

सॉल्वर गैंग : कभी था नकल माफिया का गुर्गा

प्रयागराज। अब चला रहा अपना साम्राज्यसोरांव से पकड़े गए विजयकांत पटेल ने 2012 में

राजकीय पॉलीटेकिन्क सोरों, कासगंज से डिप्लोमा कोर्स किया था। 2016 में वह केएल पटेल के संपर्क में आया और फिर उसके मुबारकपुर, फूलपुर स्थित आईटीआई कॉलेज में पढ़ाने लगा। लेखपाल भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले जिन पांच लोगों को एसटीएफ ने पकड़ा है, उनके तार कुख्यात अंतरराज्यीय नकल माफिया केएल पटेल से जुड़ने की बात सामने आई है। रविवार को गिरफ्तार गिरोह का सरगना विजयकांत पटेल कभी उसका बेहद खास गुर्गा था। लेकिन केएल पटेल के जेल जाने के बाद उसने अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया। इसके बाद कई परीक्षाओं में सॉल्वर बैठाए। अब उनके निशाने पर लेखपाल भर्ती परीक्षा थी। सोरांव से पकड़े गए विजयकांत पटेल ने 2012 में राजकीय पॉलीटेकिन्क सोरों, कासगंज से डिप्लोमा कोर्स किया था। 2016 में वह केएल पटेल के संपर्क में आया और फिर उसके मुबारकपुर, फूलपुर स्थित आईटीआई कॉलेज में पढ़ाने लगा। बीच में कुछ दिनों के लिए उसने विवेकानंद आईटीआई कॉलेज, सोरांव में भी बतौर शिक्षक काम किया। एसटीएफ अफसरों के मुताबिक, कॉलेज में पढ़ाने के दौरान ही उसने केएल पटेल संग मिलकर पेपर आउट कराने, सॉल्वर बैठाने व जाली एडमिट व आधार कार्ड बनाने का भी काम किया।

थाने के मालखाने से देवालय पहुंचे भोलेनाथ, 14 दिन पहले नदी में मिला था 21 किलो चांदी का शिवलिंग

वाराणसी। सरयू नदी में 16 जुलाई को मछुआरों को मिले 21 किलोग्राम के चांदी के शिवलिंग की स्थापना विधिवत पूजन के बाद देवालय में हो गई। रजत शिवलिग को श्री रजतेश्वर महादेव का नाम दिया गया है। बाबा मेलाराम लक्ष्मण घाट पर मंदिर में स्थापना की गई।

इस दौरान दोहरीघाट थाने से लेकर घाट तक शिवभक्तों का हुजूम उमड़ा। चारों तरफ हर-हर महादेव के गनगनभेदी नारे गूंजते रहे। इतने दिनों तक शिवलिंग को थाने के मालखाने में रखा गया था। रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ थाना परिसर पहुंचे। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने शिवलिंग की निरंतर पूजा करने वाली महिला सिपाही सचि सिंह और प्राची पांडेय को बुलाकर माल खाना खुलवाया। दोनों महिला सिपाहियों ने सजल नेत्रों से शिवलिंग को थानाध्यक्ष को सुपुर्द किया। थानाध्यक्ष ने शिवलिंग को सिर पर रखकर बैठक कक्ष में ले गए। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का रुद्राभिषेक हुआ। विधिवत पूजन-अर्चन करने के बाद थानाध्यक्ष ने फिर से सिर पर शिवलिंग रखकर रथ तक पहुंचाया। महंत बाबा मेला राम ने थानाध्यक्ष से शिवलिंग लेकर रथ पर विराजमान किया। इस दौरान हर-हर महादेव के नारे गूंजने लगे। भारी संख्या में महिलाएं मंगल गीत गाने लगीं। गाजे-बाजे के साथ रथ नगर भ्रमण के लिए निकला। जगह-जगह फूलों की वर्षा होने लगी। चारों तरफ भक्तिमय वातावरण हो गया। नगर भ्रमण करते समय रथ को खींचने के लिए होड़ लगी हुई थी। रजत शिवलिंग परम तपस्वी मेला राम परिसर में पहुंचते इंद्रदेव प्रसनन हुए। पांच मिनट तक झमाझम बारिश हुई। नगर क्षेत्र के मेलाराम क्षेत्र में ही बारिश हुई। बाकी कहीं भी बारिश नहीं हुई। सरयू नदी से मिले 22 किलो वजनी शिवलिंग को लक्ष्मण घाट के बाबा मेला राम परिसर में पूरे विधिविधान के साथ स्थापित किया गया। थानाध्यक्ष ने शिवलिंग को बाबा मेला राम सेवा समिति को सुपुर्दगी में दे दिया क्योंकि चांदी के शिवलिंग पर किसी ने भी इतने दिनों में अपना अधिकार नहीं जताया। नदी की रेत से शिवलिंग निकालने वाले राम मिलन साहनी, दीनानाथ साहनी, रामचंद्र साहनी और पूनम साहनी ने थाने में शिवलिंग की पूजा अर्चना की। भोलेनाथ को साष्टांग प्रणाम किया। सभी नगरवासियों ने इन चारों के कार्यों की सराहना की। दोहरीघाट थाना परिसर में पंडित श्याम बाबा, पंडित बबलू पांडेय, बाबा मेला राम महंत मेलाराम, आदि ने वैदिक मंत्रों के द्वारा शिवलिंग का पूजन अर्चन कराया। यजमान के रूप में थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने श्रद्धा भक्ति के साथ पूजन अर्चन किया। थाना परिसर के माल खाने में 16 जुलाई से विराजमान अद्भुत शिवलिंग का पूजा पाठ नियमित रूप से महिला सिपाही सचि सिंह और प्रज्ञा पांडेय करती रहीं। रविवार को जब शिवलिंग को देवालय ले जाया जाने लगा तो दोनों की आंखों से अश्रु धार फूट पड़े।

बाबा विश्वनाथ का तीन सागर और 12 नदियों के जल से होगा अभिषेक, निकलेगी यात्रा

वाराणसी। विश्वनाथ गली व्यवसायी संघ ने सावन के तीसरे सोमवार को बाबा का विधि-विधान से जलाभिषेक करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सावन के तीसरे सोमवार को बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक बेहद खास होगा। लंबे अंतराल के बाद देश की 12 पवित्र नदियों और तीन सागर के जल से अभिषेक किया जाएगा। विश्वनाथ गली व्यवसायी संघ ने सावन के तीसरे सोमवार को बाबा का विधि-विधान से जलाभिषेक करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। संघ के महामंत्री कमल तिवारी ने बताया विश्व कल्याण की कामना से सावन के तीसरे सोमवार एक अगस्त को सुबह आठ बजे विश्वनाथ गली व्यवसायी संघ द्वारा जलाभिषेक यात्रा निकाली जाएगी। परंपरागत रूप से दशाश्वमेध चितरंजन पार्क पर सपरिवार जल पात्र लेकर व्यापारी एकत्र होंगे। वहां से सिंहद्वार (डेढ़सीपुल) से साक्षी-विनायक होते हुए गेट नंबर एक से विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जाएंगे। फिर मां अनन्पूर्णा का दर्शन करके ढुंढिराज से होकर वापस साक्षी-विनायक के दर्शन करने के बाद जलाभिषेक का समापन होगा। कोरोना संक्रमण काल के बाद जलाभिषेक को लेकर व्यापारियों में उत्साह है। दो लाख शिवभक्तों ने लगाई बाबा दरबार में हाजिरी श्री काशी विश्वनाथ का धाम शनिवार को कांवरियों के बोल-बम से गूंज उठा। शयन आरती तक मंदिर में दो लाख शिवभक्तों ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया।

स्वर्णिम आभा से दमकने लगा काशी का मार्कंडेय महादेव मंदिर कल केंद्रीय मंत्री करेंगे लोकार्पण

वाराणसी। करीब 30 किलोमीटर दूर गंगा-गोमती के संगम पर कैथी गांव में विराजते हैं मार्कंडेय महादेव। मार्कंडेय महादेव मंदिर का शिखर अब स्वर्णिम आभा से दमकने लगा है। वाराणसी के कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव मंदिर का शिखर अब स्वर्णिम आभा से दमकने लगा है। शिखर पर गोल्डन प्लेटिंग तांबे की परत चढ़ाने का काम पूरा हो चुका है। सावन के तीसरे सोमवार को इसका लोकार्पण केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय करेंगे। यह संयोग ही है कि पिछले साल सावन के तीसरे सोमवार को कार्य का शुभारंभ हुआ था। ठीक एक साल बाद लोकार्पण किया जाएगा। विशेषज्ञों की राय पर केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र पांडेय ने तांबे के प्लेट लगवाने का निर्णय लिया था, क्योंकि तांबे की परत की आयु एक हजार साल तक रहेगी। इस ऐतिहासिक कार्य को करने के लिए कुछ संस्थाएं तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने भी सहयोग किया था। इसकी लागत लगभग 50 लाख रुपये है। स्वर्णिम आभा के शिखर बन जाने के बाद मंदिर का स्वरूप और भव्य हो गया है। मार्कंडेय महादेव मंदिर की ये है मान्यत मार्कंडेय महादेव मंदिर की मान्यता है कि सावन मास में एक लोटा जल रामनाम लिखा बेलपत्र चढ़ाने मात्र से ही लोगों की कामनाएं पूर्ण होती हैं। सांसद व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय के प्रयास से करोड़ों रुपये की लागत से मंदिर का जीणोद्धार व संगम व गंगा घाट जो राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से सजाया गया है। यहां गंगा गोमती संगम घाट व गंगा घाट पर लगाई गई जेटी लोगों को आकर्षित कर रही है। सैलानियों की आमद बढ़ने से रोजगार भी बढ़ रहा है। यहां सैलानियों के लिए मोटर बोट चलाने जाने की पहल जारी हो गई है। लाइटिंग, शौचालय, रैन बसेरा, पर्यटन गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं का निर्माण किया गया है। गंगा-गोमती के तट पर बसा कैथी गांव मारकंडेय जी के नाम से विख्यात है। यह गर्ग, पराशर, श्रृंगी, उद्याल आदि ऋषियों की तपोस्थली है। मान्यता है कि इसी स्थान पर राजा दशरथ को पुत्र प्राप्ति के लिए श्रृंगी ऋषि ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था। इसके परिणाम स्वरूप राजा दशरथ को चार पुत्र राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघभन प्राप्त हुए थे। यही वह तपोस्थली है, जहां राजा रघु द्वारा ग्यारह बार हरिवंशपुराण का परायण करने पर उन्हें उत्तराधिकारी प्राप्त हुआ था। पुत्र कामना के लिए यह स्थल काफी दुर्लभ है।

वाराणसी में सॉल्वर समेत चार फर्जी अभ्यर्थियों को एसटीएफ ने पकड़ा

वाराणसी। डिवाइस बराम दआर्य महिला कॉलेज, उदय प्रताप कॉलेज समेत कुल तीन परीक्षा केंद्रों से दूसरे स्थान पर परीक्षा देने आए सॉल्वर समेत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग करने वाले चार लोगों को एसटीएफ वाराणसी यूनिट ने पकड़ा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आज वाराणसी समेत विभिन्न शहरों में लेखपाल भर्ती मुख्य परीक्षा का आयोजन किया गया। लेखपाल भर्ती मुख्य परीक्षा में वाराणसी के अलग-अलग केंद्रों से सॉल्वर समेत चार फर्जी अभ्यर्थियों को पकड़ा गया। आर्य महिला कॉलेज, उदय प्रताप कॉलेज समेत कुल तीन परीक्षा केंद्रों से दूसरे स्थान पर परीक्षा देने आए सॉल्वर समेत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग करने वाले चार लोगों को एसटीएफ वाराणसी यूनिट ने पकड़ा है। सभी से एसटीएफ पूछताछ कर रही है। सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड की तलाश में एसटीएफ फील्ड इकाई की टीम दबिश दे रही है। उदय प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के अनुसार परीक्षा केंद्र से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस संग पुष्पेंद्र नामक अभ्यर्थी को पकड़ा गया है।

इश्क में दोनों ने छोड़ा था घर, जी भर साथ जी भी न पाए थे, बैरी वक्त ने साथ मार दिया

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले में प्रेमी युगल की जिंदगी का सड़के हादसे में दर्दनाक अंत हो गया। दोनों ने घर परिवार छोड़ कर साथ रहने का फैसला किया लेकिन भाग्य को ये मंजूर नहीं था। दोनों अपनी मंजिल तक पहुंचते इससे पहले ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। घटना पंवारा थाना क्षेत्र कुंवरपुर टोल प्लाजा के पास की है। ट्रक से टक्कर में बाइक सवार प्रेमी युगल की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों घर से भागकर बाइक से जा रहे थे। तभी कुंवरपुर टोल प्लाजा के पास ट्रक की चपेट में आ गए। सूचना पर दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे। उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। बताया गया कि दोनों का प्रेम-प्रसंग काफी दिनों से चल रहा था। परिवार को इस बात की जानकारी थी। लेकिन दोनों के परिजन किसी कारण शादी के लिए राजी नहीं थे। मड़ियाहूं कोतवाली के नदियाव (मढ़ैया) गांव निवासी रवि पांडेय (24) शनिवार रात बिना किसी को कुछ कहे अपने घर से निकला। पड़ोस में ही स्थित प्रेमिका के घर पहुंचा। युवती रवि की बाइक पर बैठी और दोनों गांव से निकल गए। रविवार अलसुबह साढ़े चार बजे के करीब वे बाइक से मछलीशहर-प्रयागराज-रायबरेली मार्ग स्थित कुंवरपुर टोल प्लाजा के समीप सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दर्दनाक हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। शिनाख्त होने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस की सूचना पर दोनों के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। बताया कि उन्हें रात में ही दोनों के घर छोड़ने की जानकारी हो गई थी। इससे पहले कि वो कुछ कर पाते पुलिस ने हादसे की सूचना दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष पवारा राम सरिख गौतम ने कहा कि मृतक प्रेमी युगल बताए जा रहे हैं। वे रात में अपने-अपने घर से फरार हो गए थे। आधार कार्ड और मोबाइल के माध्यम से उनकी पहचान की गई।

मेरे फोन को रिकॉर्ड कर लो, उनको छोड़ना नहीं' कहकर लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक ने दी जान

गोरखपुर। में तीन साल से एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक ने खुदकुशी से पहले अपने घरवालों को फोन करके चौंकाने वाली बात बताई। शाहपुर इलाके में महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले युवक ने खुदकुशी कर ली। शुक्रवार रात उसने भाई को फोन कर महिला, उसकी बहन व बहनोई के प्रताड़ना की बात बताई थी। उसने खुदकुशी की बात भी कही थी, जिस पर घरवालों ने समझाया था, लेकिन खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शनिवार सुबह केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर के कृष्णा नगर कॉलोनी में बृजमोहन यादव तीन साल से एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहते थे। विवाद होने के बाद महिला ने उसके खिलाफ शाहपुर व महिला थाने में प्रार्थनापत्र दिया था। इसके बाद ही मनमुटाव बढ़ गया था। शुक्रवार रात बृजमोहन ने अपने बड़े भाई कृष्ण मोहन को फोन कर बताया कि महिला व उसकी बहन, बहनोई की प्रताड़ना से आजिज आकर जान दे रहा हूं। मेरे फोन को रिकॉर्ड कर लो, उनको छोड़ना नहीं। पुलिस को मामले जानकारी देने के बाद कृष्ण मोहन कमरे में पहुंचे तो बृजमोहन अचेत पड़ा था। जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रिकॉर्डिंग के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों को जेल भिजवा दिया।

डेबिट कार्ड बदलकर करते थे ठगी, बदमाशों ने पुलिस को बताई एक-एक बात

वाराणसी। वाराणसी पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। डेबिट कार्ड बदलकर ठगी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा है। दोनों बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वो किस तरह से ठगी किया करते थे। डेबिट कार्ड बदलकर रुपये निकालने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो बदमाशों को वाराणसी की लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने शनिवार को रिंग रोड गोइठहां अंडर पास से गिरफ्तार किया। कब्जे से विभिन्न बैंकों के 36 डेबिट कार्ड और घटना में उपयोग तीन बाइक बरामद किया गया। गिरोह के मास्टरमाइंड आजमगढ़ निवासी आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीमें दबिश दे रही है। दोनों आरोपियों ने एक दिन पूर्व ही घटना को अंजाम दिया था। डीसीपी वरुणा आरती सिंह के अनुसार गिरफ्तार सतेंद्र यादव और राहुल कुमार दोनों आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना अंतर्गत उमरी कला स्थित भोपालपुर के निवासी है। ऐसे देता था वारदात को अंजाम पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह गैंग के लीडर भोपालपुर गांव निवासी कृष्णानंद सिंह उर्फ विक्की के साथ ही घटना को अंजाम देते हैं। विक्की हम लोगों के साथ एटीएम से पैसा निकालने वाले व्यक्ति के पास खड़ा होता है और उसे अपनी बातों में उलझाने की कोशिश करता है। इस दौरान हम लोग बाहरी व्यक्ति को एटीएम के अंदर प्रवेश करने से रोकते हैं। बातों में उलझाने के बाद एक दूसरे का डेबिट कार्ड धोखे से बदल लेते है और एटीएम व पेट्रोल टंकी के माध्यम से रुपये निकाल लेते हैं। एक शहर में ज्यादा काम कर लेने के बाद दूसरे शहर व जिलों और प्रदेश में चले जाते हैं। यह सभी घटनाएं जिलों व राज्यों में जैसे महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड में भी घटनाएं कर चुके हैं। डीसीपी के अनुसार दर्जनों सीसी कैमरे खंगालने के बाद पुलिस की टीमें इन आरोपियों तक पहुंचीं। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर विक्की को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। लालपुर-पांडेयपुर थाना प्रभारी सतीश यादव के अनुसार पिछले चार जुलाई को पांडेयपुर क्षेत्र में रमरेपुर निवासी कृष्ण कुमार का भी डेबिट कार्ड बदलकर 42 हजार रुपये उड़ा चुके थे। उस दौरान सीसी कैमरे में आरोपियों की हरकत कैद हुई थी। तभी से पुलिस इनके पीछे लगी हुई थी।

तीन दिन के गोरखपुर दौरे पर आएंगे सीएम योगी, शहरवासियों को देंगे 125 करोड़ की योजनाओं की सौगात

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन अगस्त को महानगर के नागरिकों को 125 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। नाली व सड़क से संबंधित करीब 400 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर नागपंचमी यानी 2 अगस्त की शाम गोरखपुर आएंगे। गोरखनाथ मंदिर में होने वाले दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहलवानों को पुरस्कृत करेंगे। अगले दिन तीन अगस्त को एमएमएमयूटी में आयोजित रोजगार मेला में शामिल होंगे। वहां से निकलकर गंभीरनाथ प्रेक्षागृह जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो अगस्त की शाम गोरखनाथ मंदिर आएंगे। साथ ही कुश्ती प्रतियोगिता में गोरखपुर केसरी, गोरखपुर कुमार एवं बीर अभिमन्यु का खिताब पाने वाले पहलवानों को सम्मानित करेंगे। बुधवार सुबह हिंदू सेवाश्रम में जनता दरबार लगाकर फरियादियों की समस्याएं सुनेंगे। इसके बाद आईटीआई, कौशल विकास मिशन, पॉलीटेकिन्क एवं सेवायोजन विभाग की तरफ से आयोजित रोजगार मेला में हिस्सा लेने एमएमएमयूटी जाएंगे। युवाओं को संबोधित भी करेंगे। इस मेले में 10 हजार युवाओं को रोजगार देने की तैयारी है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 50 कंपनियां आ रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री गंभीरनाथ प्रेक्षागृह जाकर नगर निगम के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल देंगे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे। बृहस्पतिवार को जनता दरबार लगाएंगे, फिर लखनऊ रवाना हो जाएंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री के आने का आधिकारिक प्रोटोकॉल नहीं आया है, लेकिन पुलिस व प्रशासनिक अफसर तैयारियों में जुटे हैं। मुख्यमंत्री शहर को देंगे विकास की सौगात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन अगस्त को महानगर के नागरिकों को 125 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। नाली व सड़क से संबंधित करीब 400 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 10 लाभाथिर्यों को चाबी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 स्ट्रीट वेंडर्स को क्यूआर कोड देंगे। पुरस्कृत भी करेंगे। नगर निगम का कार्यक्रम गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में होगा। इसमें मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक बस, टूरिस्ट बस, कूड़ा उठाने के लिए खरीदे गए 39 वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करेंगें। नगर निगम में बने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भी लोकार्पण होगा। गोड़धोइया नाले की सफाई में लगे जल पुलिस के नाविक सम्मानित किए जाएंगे। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में अच्छा कार्य करने वाले ड्राइवर व सहायकों को सम्मानित किया जाएगा। दो टूरिस्ट इलेक्ट्रिक बस, 10 इलेक्ट्रिक बस, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए नगर निगम द्वारा खरीदे गए 25 वाहन व दो जेटिंग मशीन (कुल 39 गाड़ी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

देवरिया में बंधा पर मिला किशोरी का शव, हत्या की आशंका

देवरिया। रविवार की सुबह डुमरी गांव के लोग दक्षिण दिशा में डुमरी तकिया धरहरा बंधा मार्ग पर मार्निंग वॉक करने निकले थे। तभी देखा की एक किशोरी का शव बीच बंधा पर औंधे मुंह पड़ा है। उत्तर प्रदेश के देवरिया के लार थाना इलाके के डुमरी गांव के बंधा पर एक किशोरी का औंधे मुंह शव मिला। सूचना पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार उसके चेहरे पर चोट के निशान है। लोग हत्या कर शव फेकने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। रविवार की सुबह डुमरी गांव के लोग दक्षिण दिशा में डुमरी तकिया धरहरा बंधा मार्ग पर मार्निंग वॉक करने निकले थे। तभी देखा की एक किशोरी का शव बीच बंधा पर औंधे मुंह पड़ा है। उसके बदन पर नीला जींस, पिला शर्ट, एक हाथ में सफ़ेद दुपट्टा लपेटा हुआ था। चेहरे पर चोट का निशान था। शव मिलने की सूचना पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने हत्या कर शव फेंकने की आशंका जता पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि एक किशोरी का शव मिला है। घटना की जांच की जा रही है।

विकास परियोजनाओं में दूर कराएंगे वन विभाग का अड़ंगा

ओबरा। रेणुकापार के परसोई में आयोजित आदिवासी सम्मेलन में प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने कहा कि आदिवासी सरकार में सोनभद्र के आदिवासियों की समस्याओं का व्यापक समाधान हो जाएगा। कहा कि यह एक दशक के संघर्ष का नतीजा है कि ओबरा

उत्थान के लिए विकास परियोजनाओं में वन विभाग का अड़ंगा दूर कराया जाएगा। विधानसभा चुनाव के बाद हुए पहले आदिवासी सम्मेलन में जुटी भारी भीड़ को विश्वास दिलाया कि वनाधिकार कानून के तहत पात्रों को पट्टा दिलाएंगे। परसोई में इंटरमीडिएट कॉलेज की स्वीकृति मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के दूसरी बार सूबे में भाजपा की और दुद्धी विधानसभा सीट को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया। उन्होंने कन्हरा में विजुल नदी पर पुल निर्माण, रेणुका नदी पर पुल निर्माण में तेजी, खेवधा-परसोई मार्ग के निर्माण में आ रही बाधा को दूर करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार ने राज्य मंत्री को आदिवासी समाज का उगता हुआ सूरज बताया। समारोह में भारती ने किया। इस मौके पर जमुना यादव, शिवनारायण खरवार, बद्री सिंह गोंड, म्योरपुर के ब्लाक प्रमुख मान सिंह गोंड, संयोजक राम प्यारे सिंह खरवार, उदित नारायण खरवार, विजय यादव, शंभू सिंह गोंड, प्रभुनाथ गोंड, अरविंद खरवार, मंगरु गुप्ता, राजेश खरवार, कन्हैयालाल प्रजापति, संतोष सिंह, जगदीश खरवार, सूबेदार गोंड आदि मौजूद रहे।

छह माह में ओवरलोडिंग पर एआरटीओ ने नहीं की कोई कार्रवाई

सोनभद्र। जिले में तैनात एआरटीओ मोटर मालिकों से मिलकर राजस्व को क्षति पहुंचा रहे हैं। पिछले छह माह में उनकी ओर से स्वतंत्र रूप से ओवरलोडिंग के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। एडीएम सहदेव मिश्र की जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। मंडलायुक्त के निर्देश पर जांच के बाद उन्होंने यह रिपोर्ट डीएम को प्रेषित किया है।पिछले दिनों मंडलीय समीक्षा बैठक में यहां तैनात दोनों एआरटीओ की ओर से स्वतंत्र रूप में कोई कार्रवाई न करने की बात सामने आई थी। एसडीएम के माध्यम से वाहन पकड़े जाने पर दोनों अधिकारी उसी कार्रवाई में खुद को भी शामिल कर लेते हैं। इससे राजस्व की भारी क्षति मानते हुए जांच के निर्देश दिए गए थे। जांच अधिकारी एडीएम सहदेव मिश्रा ने वाणिज्य कर विभाग तथा खनन विभाग तथा परिवहन विभाग द्वारा स्वतंत्र (एकल) रूप से अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के अंतर्गत पकड़े गए वाहनों और उसपर आरोपित शमन शुल्क की जमा धनराशि के सम्बन्ध में विगत अप्रैल से जून का वाहनवार विवरण मांगा गया। वाणिज्य कर और खनन विभाग ने स्वयं किए गए प्रवर्तन कार्य की वाहनवार सूचना दी है। वहीं एआरटीओ की ओर से कोई विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। एडीएम ने डीएम को भेजे गए रिपोर्ट में लिखा है कि वाणिज्य कर, खनन और परिवहन विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए विवरण के तुलनात्मक अध्ययन से प्रथम दृष्ट्या यह स्पष्ट हो गया है कि दोनों एआरटीओ की ओर से विगत छह माह में अवैध परिवहन/ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कोई प्रवर्तन कार्यनहीं किया गया है। वह अपने पदीय दायित्वों का सम्यक निर्वहन नहीं कर रहे हैं। वाहन स्वामियों से मिलीभगत के कारण शासकीय राजस्व को क्षति पहुंचाई जा रही है।

मिर्जापुर में डग्गामार बस पलटने से 13 यात्री घायल, चालक की लापरवाही से हादसा

मिर्जापुर। के दीपनगर बाजार के पास ओवरलोड बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 13 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। मिर्जापुर में दीपनगर-पटेहरा संपर्क मार्ग पर सोमवार सुबह 11 बजे एक डग्गामार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 13 यात्री घायल हो गए। बस में कुल 60 लोग सवार थे। बस हलिया से मिर्जापुर आ रही थी। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि चालक की लापरवाही के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है। दीपनगर बाजार के पास ओवरलोड बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार महिलाएं व बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। चीखपुकार सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े। बस के ऊपर चढ़कर खिड़की का शीशा तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया। यात्रियों ने बताया कि बस चालक सीट के बगल में बैठे लोगों से बातचीत करने में व्यस्त था। इस कारण बस अनियंत्रित होकर पलट गई। ये हुए घायल जरीना (60), जसवंती (55), भोला (60), सबीना बानो (12), मोहम्मद यासीन (10), मोहम्मद याकूब (8), चम्पा (65), मोनिका (6), रामनाथ (40), लालमणि विश्वकर्मा (60), चंद्रभूषण (35), अजय (32), रामनाथ (46) वर्ष घायल हो गए।

यूपी एमएलसी उपचुनाव के लिए अखिलेश का नया दांव

मिर्जापुर। कीर्ति कोल बनीं विधान परिषद प्रत्याशीअखिलेश यादव ने बनाया है। कीर्ति कोल इससे पहले विधान सभा चुनाव में छानबे सीट से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। सपा प्रवक्ता अशोक सिंह ने बताया कि अहमद हसन के निधन से लखनऊ में विधान परिषद की सीट रिक्त हुई है। जिस पर होने वाले उप चुनाव के लिए पार्टी मुखिया ने पूर्व सांसद स्व. भाई लाल कोल की पुत्री जिला पंचायत सदस्य कीर्ति कोल को समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद उपचुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। कीर्ति कोल इससे पहले विधान सभा चुनाव में छानबे सीट से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद के रिक्त सीट पर हो रहे उप चुनाव में भागीदारी के लिए पूर्व सांसद की पुत्री व जिला पंचायत सदस्य कीर्ति कोल को प्रत्याशी बनाया है। कीर्ति कोल इससे पहले विधान सभा चुनाव में छानबे सीट से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सपा प्रवक्ता अशोक सिंह ने बताया कि अहमद हसन के निधन से लखनऊ में विधान परिषद की सीट रिक्त हुई है। जिस पर होने वाले उप चुनाव के लिए पार्टी मुखिया ने पूर्व सांसद स्व. भाई लाल कोल की पुत्री जिला पंचायत सदस्य कीर्ति कोल को समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद उपचुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है।

पदयात्रा के लिए सौंपी गई जिम्मेदारी

सोनभद्र। नगर के पीडब्लूडी डाक बंगले में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इसमें महंगाई और बेरोजगार के विरोध में पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बतौर मुख्य अतिथि यूपी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मकसूद खां ने कहा कि उदयपुर नव संकल्प घोषणा में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ पदयात्रा निकालने का फैसला लिया गया था। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 9 से 15 अगस्त तक पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड, कार्यकारी अध्यक्ष फरीद अहमद और शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा संग ओबरा विधानसभा प्रभारी नागेश मणि पाठक के अलावा नुरुद्दीन खां, विनय कांत चौबे, जयशंकर भारद्वाज, राजबली पांडेय, सोनी गुप्ता, आशुतोष दुबे, अवधेश सिंह, शीतला पटेल, सुनीता तिवारी आदि मौजूद रहे।

गांव में मिला मगरमच्छ

करमा। थाना क्षेत्र के मगरदहा गांव में शनिवार रात लगभग छह फीट लंबा मगरमच्छ पहुंचने से हड़कंप मच गया। जानकारी होते ही दलबल के साथ करमा थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह गांव में पहुंचे। वन कर्मियों को बुलाया। वन और पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर मगरमच्छ को पकड़ कर अन्यत्र नदी में ले जाकर छोड़ा। थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रात दो बजे मगरमच्छ को कब्जे में लेकर वन विभाग की टीम नदी में छोड़ने के लिए ले गई।

युवक को दूसरी शादी करना पड़ा महंगा

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक युवक को दूसरी शादी करना महंगा पड़ गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली सुधा का कहना है कि दो जून को साढ़े पांच बजे पानी लेने के लिए सबमर्सिबल पंप पर गई तो ससुर

ने बिजली कनेक्शन काट दिया। उसका आरोप है कि ससुर और पति के परिवार के अन्य लोगों ने उसकी पिटाई की है। इतना ही नहीं बेड समेत अन्य सामान को घर से बाहर फेंक दिया। इतना ही नहीं उसके पति ने जुगैल थाना क्षेत्र के रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली है। पीड़िता का कहना है कि मायके वालों ने सुसरालियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनके सेहत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इस संबंध में इंस्पेक्टर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पति धर्मेंद्र, ससुर कांता, सोमारू, कुसुम, राजा, अमरावती, रूपा और बिरबल के खिलाफ उत्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

घोटाले के आरोपी अवर अभियंता दीपक पर मुकदमा दर्ज

मिर्जापुर। सेतु निगम द्वारा बनवाए जा रहे आरओबी के लिए उपलब्ध निर्माण सामग्री का गबन करने और कार्य स्थल की माप पुस्तिका व अन्य दस्तावेज कार्यालय में नहीं जमा करने पर विभाग के अवर अभियंता सिविल दीपक मिश्रा के खिलाफ विंध्याचल थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह मुकदमा सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक आरएस उपाध्याय ने आयुक्त विंध्याचल मंडल योगेश्वर राम मिश्र के निर्देश पर दर्ज कराया है । मुख्यमंत्री के निर्देश पर छह मई को प्रभारी मंत्री ने भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा लिया था। उस दौरान विधायकों ने आरओबी का निर्माण कार्य धीमी गति से होने की शिकायत की थी। जिसके बाद टीएसी से जांच कराए जाने का निर्देश दिया गया था। टीएसी की जांच में शिवपुर आरओबी और गैपुरा-मिर्जापुर सेतु निर्माण की प्रगति में लापरवाही मिलने पर आयुक्त ने संबंधित अभियंता के स्थानांतरण के लिए प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखा। जिसके बाद अवर अभियंता दीपक मिश्रा का स्थानांतरण गाजियाबाद कर दिया गया। कार्य में शिथिलता बरतने के कारण उनको कार्यमुक्त कर दिया गया। कार्यस्थल से सीमेंट, स्टील आदि के सामान की हेराफेरी का मामला भी जांच में सामने आया। इस पर आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने समीक्षा बैठक में परियोजना प्रबंधक को अवर अभियंता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया। सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक आरएस उपाध्याय ने बताया कि अवर अभियंता दीपक मिश्रा पर आरोप है कि दोनों निर्माणाधीन पुलों की माप पुस्तिका व क्वालिटी कंट्रोल से संबंधित अभिलेख अभी तक कार्यालय में जमा नहीं किया है। उन्होंने बताया कि ठेकेदारों का जरूरी कागजात भी जमा नहीं कराया गया है। समय से भुगतान नहीं होने से ठेकेदार द्वारा कार्य करने से इंकार किया जा रहा था। इसके चलते सरकारी कार्य की प्रगति में गतिरोध पैदा हो रहा था। उन्होंने बताया कि मंडलायुक्त के निर्देश के बाद 29 जुलाई को विंध्याचल थाने में तहरीर देकर अवर अभियंता दीपक मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। टीएसी की जांच के बाद विभागीय स्तर पर जांच कमेटी का गठन किया गया। जांच कमेटी में अवर अभियंता अनिल दुबे, रियाज अहमद, अरविंद कुमार सिंह, सहायक अभियंता विजय कुमार त्रिपाठी, जय प्रकाश विश्वकर्मा व लेखाकार आशुतोष पांडेय शामिल थे। कमेटी ने 15 जून को जांच की। जिसमें तीन स्थानों पर 12 निर्माण सामग्रियां नहीं मिलीं। इनमें मोटा बालू, बड़ी गिट्टी, छोटी गिट्टी, सरिया, सीमेंट, मोटी प्लेट आदि शामिल हैं। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये है। ये सामान साइट पर उतारे ही नहीं गए। इस कारण टीएसी की जांच में अनियमितता की बात कही गई थी। जिले में गैपुरा में रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण 61 करोड़ रुपये की लागत से आठ माह पहले शुरू किया गया था।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **15 अगस्त 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान, धवन कप्तान, दीपक चाहर की वापसी

नई दिल्ली । त्रिपाठी नया चेहराजिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो गई है। तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए शिखर धवन को ही कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, तेज गेंदबाजद दीपक चाहर की टीम इंडिया में वापसी हुई है। बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी टीम में नया चेहरा होंगे। इसका अलावा ज्यादातर खिलाड़ी वही हैं, जिन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेली है सीनियर खिलडियों को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और युजवेंद्र चहल समेत तमाम सीनियर खिलाड़ी यह सीरीज नहीं खेलेंगे। भारत-जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 18 अगस्त से होगी। वहीं, 22 अगस्त को आखिरी वनडे खेला जाएगा।जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 वनडे के लिए टीम इंडियाः शिखर धवन (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव भी वनडे टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, वह विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में शामिल नहीं किए गए थे। स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप के अलावा अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर पर रहेगी। दीपक इस साल फरवरी से ही चोट की वजह से टीम से बाहर हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रोइन इंजरी हुई थी। अब वह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से टीम इंडिया में नियमित तौर पर स्थान बनाने के लिए जोर बनाएंगे। इसके साथ ही वह टी-20 विश्व कप के लिए भी अपना दावा पेश करना चाहेंगे। वहीं राहुल त्रिपाठी को आयरलैंड दौरे पर भारत की टी-20 टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, तब उन्हें अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका नहीं मिला था। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में त्रिपाठी को मिडिल ऑर्डर में मौका मिल सकता है। जिम्बाब्वे दौरे पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी कप्तान धवन के अलावा ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी और संजू सैमसन पर होगी। वहीं, ऑलराउंडर के तौर पर सुंदर, शार्दुल, अक्षर और दीपक चाहर टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में चाहर, सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल और आवेश खान पर जिम्मेदारी होगी।

श्रेयस ने बाउंड्री लाइन पर किया कमाल, अर्शदीप की यॉर्कर ने दिलाई बुमराह की याद

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया ने 68 रन से जीत लिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज में 0-1 की बढ़त बना ली है। मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने 64 रन की बेहतरीन पारी खेली। इसके बाद दिनेश कार्तिक ने ताबड़तोड़ 41 रन बनाकर भारत का स्कोर 190 तक पहुंचाया। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज को 122 रन पर रोक दिया। इस मैच में श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर कमाल की फील्डिंग की। उन्होंने पहले बेहतरीन कैच पकड़ा, लेकिन उन्हें जब लगा की बाउंड्री से बाहर जा रहे हैं तो गेंद मैदान के अंदर फेंक दी और छह रन बचा लिए। वहीं, अर्शदीप सिंह की शानदार यॉर्कर ने जसप्रीत बुमराह की याद दिला दी, जबकि बुमराह यह मैच नहीं खेल रहे थे। वहीं, दिनेश कार्तिक, संजू सैमसन और रविचंद्रन अश्विन मैच के दौरान मस्ती करते नजर आए। यहां हम इस मैच के ऐसे ही रोमांचक पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। दिनेश कार्तिक ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 19 गेंद में नाबाद 41 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। कार्तिक की शानदार पारी के चलते भारत का स्कोर 190 तक पहुंच पाया और वेस्टइंडीज बड़े अंतर से यह मैच हार गया। इस मैच के दौरान संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन मस्ती करते नजर आए। तीनों आपस में बात कर रहे थे और काफी खुश नजर आ रहे थे। ये तीनों खिलाड़ी तमिल बोलते है और एक यूजर ने लिखा कि तीनों निश्चित रूप से विक्रम फिल्म के बारे में बात कर रहे है। इस मैच में श्रेयस अय्यर ने अपनी फील्डिंग से सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने बाउंड्री लाइन पर शानदार कैच पकड़ा, लेकिन कैच पकड़ने के बाद उन्हें पता चला की वो बाउंड्री लाइन से बाहर जा रहे हैं। ऐसे में अय्यर ने गेंद को मैदान के अंदर फेंक दिया। अपनी शानदार फील्डिंग से उन्होंने छक्के को दो रन में बदल दिया। इस मैच में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार दूसरे मैच में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। इस मैच में शुरुआत में अर्शदीप ने काफी रन लुटाए, लेकिन बाद में शानदार वापसी करते हुए विकेट भी चटकाए। उन्होंने शानदार यॉर्कर पर अकील हुसैन को बोल्ड किया। उनकी इस गेंद ने जसप्रीत बुमराह की याद दिला दी। रवि बिशनेई ने भी इस मैच में शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने रोवमन पॉवेल और ओडियन स्मिथ का विकेट लिया। बिशनेई को चहल की जगह टीम में मौका दिया गया और उन्होंने टीम में अपना दावा और मजबूत किया। भारत के स्पिन गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा, अश्विन और बिशनेई की तिकड़ी ने 12 ओवर की गेंदबाजी में पांच विकेट निकाले और 74 रन दिए। अश्विन ने पूरन और हेटमायर का अहम विकेट लिया। भुवनेश्वर कुमार ने एक बार फिर अपनी गेंदबाजी से कमाल किया। उन्होंने शमराह बूक्स को क्लीन बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इस मैच में उन्होंने दो ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। इसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। ऋषभ पंत इस मैच में बल्ले के साथ कोई कमाल नहीं कर पाए, लेकिन अपनी विकेटकीपिंग का जलवा दिखाया। इस मैच में उन्होंने एक कैच पकड़ा और एक शानदार स्टंपिंग भी की। बल्लेबाजी के दौरान वो 12 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। पहले रोहित ने 44 गेंद में 64 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई फिर मध्यक्रम के फेल होने पर कार्तिक ने आखिरी ओवरों में 19 गेंद में ताबड़तोड़ 41 रन बनाकर भारत का स्कोर 190 रन तक पहुंचाया।

राशीफल

मेष-: आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-: कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-: आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-: बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-: आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-: आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-: अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-: आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-: अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

रोहित शर्मा ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा ने 64 रन की बेहतरीन पारी खेली और भारत के अच्छे स्कोर की नीव रखी। इस मैच में उन्होंने विराट कोहली और मार्टिन गुप्टिल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। भारत ने पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बेहतरीन लय में थे। उन्होंने 44 गेंद में 64 रन की बेहतरीन पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और दो छक्के निकले। रोहित ने इस पारी के दौरान दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल को पीछे छोड़ा। इसके बाद रोहित ने अपना अर्धशतक पूरा किया और विराट को पीछे छोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में सबसे 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मैच में रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान 42वीं जीत दर्ज की। उन्होंने अब तक 50 मैचों में भारत की कप्तानी की है और 42 में जीत हासिल की है। भारत की कप्तानी करते हुए रोहित ने 42.68 के औसत से 1921 रन बनाए हैं।

इस दौरान उनके बल्ले से चार शतक भी निकले हैं। उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 208 रन है। विराट को पीछे छोड़ा रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए टी20 में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोहित ने 121 पारियों में 31 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, विराट ने 30 बार ऐसा किया है। हालांकि, विराट टी20 में अर्धशतक लगाने के मामले में अभी भी रोहित से आगे हैं। विराट ने टी20 क्रिकेट में 30 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि रोहित ने 27 बार ऐसा किया है, लेकिन रोहित चार बार शतकीय पारी खेल चुके हैं और विराट अब तक टी20 में कोई शतक नहीं लगा पाए हैं। मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा रोहित ने इस मैच में मार्टिन गुप्टिल को भी पीछे छोड़ा और अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित अब तक टी20 क्रिकेट में भारत के लिए 3443 रन बना चुके हैं। वहीं, मार्टिन गुप्टिल ने 3399 रन बनाए हैं। विराट कोहली इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 3308 रन बनाए हैं। हालांकि, इन तीनों में विराट कोहली ने सबसे कम पारियां खेली हैं। कोहली ने सिर्फ 91 पारियां खेली हैं तो गुप्टिल ने 112 पारियां खेली हैं। वहीं, रोहित 121 पारियां खेल चुके हैं।

आरसीबी के लिए श्रीराम छोड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया के स्पिन कोच का पद

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के अगले साल के भारत दौरे से पहले श्रीराम ने यह फैसला किया है। भारत की तरफ 2000 से लेकर 2004 तक आठ वनडे खेलने वाले श्रीराम 2015 से ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग ढांचे का हिस्सा थे। भारत के पूर्व ऑलराउंडर श्रीधरन श्रीराम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर

(आरसीबी) में अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्पिन गेंदबाजी कोच पद छोड़ने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के अगले साल के भारत दौरे से पहले श्रीराम ने यह फैसला किया है। भारत की तरफ 2000 से लेकर 2004 तक आठ वनडे खेलने वाले श्रीराम 2015 से ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग ढांचे का हिस्सा थे। वह भारतीय दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए टीम का सहायक कोच की अपनी वर्तमान भूमिका छोड़ रहा हूं। यह मेरे लिए पद छोड़ने का सही समय है। इससे उन्हें दो विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।' क्रिकेट.कॉम.एयू ने बताया कि श्रीराम ने आईपीएल की अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यह पद छोड़ा।

भारत ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 68 रन से हराया

तूफानी पारी खेलने वाले कार्तिक प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली । टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रन शामराह ब्रूक्स ने बनाए। उन्होंने 20 रन की पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिशनेई ने घातक गेंदबाजी की। तीनों ने दो-दो विकेट झटके। सीरीज का अगला मैच सोमवार (एक अगस्त) को सेंट किट्स के वार्नर पार्क में खेला जाएगा।पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की सधी हुई शुरुआत रही। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने इस मैच में प्रयोग करते हुए रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव को ओपनिंग भेजा। सूर्यकुमार 16 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अकील हुसैन ने जेसन होल्डर के हाथों कैच कराया। इसके बाद श्रेयस अय्यर फ्लॉप रहे। उन्हें ओबेड मैकॉय ने अकील के हाथों कैच कराया। श्रेयस खाता भी नहीं खोल सके। ऋषभ पंत ने कप्तान रोहित के साथ तीसरे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी निभाई। पंत 12 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कीमो पॉल ने कैच आउट कराया। हार्दिक पांड्या फ्लॉप रहे। वह एक रन बनाकर अल्जारी जोसेफ की गेंद पर आउट हुए। इस बीच कप्तान रोहित ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 27वां अर्धशतक पूरा किया। वे 44 गेंदों में सात चौके और दो छक्के की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए।रवींद्र जडेजा 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दिनेश कार्तिक और रविचंद्रन अश्विन ने मिलकर भारत को 190 के स्कोर तक पहुंचाया। कार्तिक और अश्विन ने मिलकर सातवें विकेट के लिए नाबाद 52 रन की साझेदारी निभाई। कार्तिक ने 19 गेंदों की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। वहीं, अश्विन 10 गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। 191 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम को तेज शुरुआत तो मिली, लेकिन वे इसे जारी नहीं रख सके। पहले आठ गेंदों पर विंडीज के ओपनर्स ने 22 रन जुटा लिए थे। इसके बाद पारी के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने कायल मेयर्स को भुवनेश्वर कुमार के हाथों कैच कराया। मेयर्स छह गेंदों में 15 रन बना सके। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने जेसन होल्डर को क्लीन बोल्ड किया। होल्डर खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी बल्लेबाजी कर रहे शामराह ब्रूक्स को क्लीन बोल्ड किया। ब्रूक्स 15 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान निकोलस पूरन और रोवमन पॉवेल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रविचंद्रन अश्विन ने ऐसा होने नहीं दिया। अश्विन ने पूरन को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। पूरन 15 गेंदों में 18 रन बना सके। युजवेंद्र चहल को सीरीज में आराम दिया गया है। चहल की जगह सीरीज के लिए टीम में शामिल किए गए युवा लेग स्पिनर रवि बिशनेई ने जलवा बिखेरा। मैच की अपनी पहली ही गेंद पर बिशनेई ने रोवमन पॉवेल को क्लीन बोल्ड किया। पॉवेल 17 गेंदों में 14 रन बना सके। 86 के स्कोर पर वेस्टइंडीज को छठा झटका लगा। रविचंद्रन अश्विन ने घातक गेंदबाजी करते हुए मैच में अपना दूसरा विकेट झटका। उन्होंने शिमरोन हेटमायर को सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। हेटमायर 15 गेंदों में 14 रन बना सके। अश्विन ने मैच में चार ओवर के अपने कोटे में 22 रन देकर दो विकेट झटके। 86 के ही स्कोर पर वेस्टइंडीज को सातवां झटका लगा। रवि बिशनेई ने ओडियन स्मिथ को विकेटकीपर पंत के हाथों स्टंप आउट कराया। स्मिथ खाता भी नहीं खोल सके। अकील हुसैन को अर्शदीप सिंह ने शानदार यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया। वह 11 रन ही बना सके। आखिर में कीमो पॉल 22 गेंदों में 19 रन और अल्जारी जोसेफ पांच रन बनाकर नाबाद रहे। विंडीज टीम 122 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप, अश्विन और बिशनेई के अलावा रवींद्र जडेजा और भुवनेश्वर कुमार ने एक-एक विकेट लिया।

भारत ने वेस्टइंडीज को 68 रन से हराया, पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त ली

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। भारत ने पहला मैच 68 रन से जीत लिया।भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 68 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 190 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 64 रन की पारी खेली। वहीं, दिनेश कार्तिक 19 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 122 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रन शामराह ब्रूक्स ने बनाए। उन्होंने 20 रन की पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, रविचंद्रन अश्विन और रवि बिशनेई ने घातक गेंदबाजी की। तीनों ने दो-दो विकेट झटके। सीरीज का अगला मैच सोमवार (एक अगस्त) को सेंट किट्स के वार्नर पार्क में खेला जाएगा।17वें ओवर में 101 के स्कोर पर वेस्टइंडीज को आठवां झटका लगा। अर्शदीप सिंह ने शानदार यॉर्कर पर अकील हुसैन को क्लीन बोल्ड किया। अकील 11 रन बना सके। 17 ओवर के बाद विंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 104 रन है।

49 पर पांच विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह गेंद रहते जीता मैच

नई दिल्ली । राधा-राजेश्वरी बनी हार की विलेन110 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट गिरा तो लगा कि भारत अब मैच खत्म कर लेगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गार्डनर ने अलना किंग के साथ 47 रन की साझेदारी कर 19 ओवर के अंदर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता

दिया। कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने पहले मुकाबले में ही टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को तीन विकेट से हराया है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट खोकर एक ओवर रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए गार्डनर ने नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने इस मैच में 49 रन के अंदर ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम को आउट कर दिया था, लेकिन गार्डनर ने अपने दम पर मैच पलट दिया। ऑस्ट्रेलिया को 155 रन का लक्ष्य देने के बाद टीम इंडिया ने शानदार शुरुआत की थी और रेणुका ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। उन्होंने पावरप्ले में अपने तीन ओवर में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआती चार बल्लेबाजों को आउट कर दिया था। दीप्ती ने रेचल हायेंस को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। 49 रन के अंदर आधी ऑस्ट्रेलियाई टीम आउट हो चुकी थी और भारत की जीत तय नजर आ रही थी। इसके बाद एश्ले गार्डनर और ग्रेस हैरिस ने 51 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापस ला दिया। 110 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट गिरा तो लगा कि भारत अब मैच खत्म कर लेगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। गार्डनर ने अलना किंग के साथ 47 रन की साझेदारी कर 19 ओवर के अंदर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिता दिया। राजेश्वरी-राधा बनी हार की विलेन इस मैच में भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और तीन स्पिनर्स के साथ मैदान में उतरी थी और कप्तान हरमनप्रीत की यही गलती भारी पड़ गई।

सम्पादकीय

मानसून का देश में आना उत्तराखंड के पहाड़ों में कठिनाइयों से सामना

मानसून का आना देश में सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन अति वर्षा से कई इलाकों में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण स्थानीय नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए आर्थिक रूप से मानसून अहम तो है, लेकिन इससे उनकी दैनिक दिनचर्या सबसे अधिक प्रभावित होती है। अत्यधिक वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र अन्य इलाकों से कट कर रह जाते हैं। इसकी मुख्य वजह सड़क का नहीं होना है। कच्चे और फिसलन भरे रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। वैसे तो पहाड़ी क्षेत्र का नाम सुनते ही न जाने कितनी कल्पनाएं हमारे दिमाग में बन जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्र है, तो ठंडी हवाएं चलती होंगी, शुद्ध वातावरण होगा, गर्मी का नामों-निशान नहीं होगा, प्रतिदिन बारिश से मौसम सुहावना रहता होगा इत्यादि। परंतु कल्पनाओं से हकीकत बिल्कुल विपरीत है। जब यहां लगातार बारिश होती है, तो लोगों की जान मुसीबत में आ जाती है। कई बार बादल फटने अथवा जमीन धंसने की घटनाओं से जान-माल का काफी नुकसान होता है। इस समय भी पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में अत्यधिक बारिश तबाही मचा रही है। दूर-दराज के कई गांव ऐसे हैं, जो अन्य इलाकों से कट गए हैं, क्योंकि पक्की सड़क नहीं होने के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। बिजली और संचार की व्यवस्था भी लगभग ठप हो गई है। ऐसे में कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहां का सामाजिक जीवन किस प्रकार कष्टकर होता होगा बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित होती होगी? उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक का बघर गांव, जो पहाड़ की चोटी पर बसा है। यह पहाड़ पर बसा आखिरी इंसानी गांव है। यहां पर आकर सीमा समाप्त हो जाती है। इसके आगे कोई गांव नहीं है और यहां तक सड़क की कोई सुविधा नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गांव की किशोरियां- नेहा और बबली कहती हैं, हमारा स्कूल गांव से चार किलोमीटर दूर है, जहां सड़क की सुविधा भी नहीं है, जिस कारण हमें जंगल के रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। इन्हीं परेशानियों के कारण न तो हम समय से स्कूल पहुंच पाते हैं और न ही घर, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। स्कूल जाते समय जब हमें जंगलों से गुजरना पड़ता है, तो जानवरों का भी भय बना रहता है। अगर ऐसे में कोई जंगली जानवर आ जाए, तो हम कहीं भाग भी नहीं सकते हैं। वह बताती हैं कि जब बारिश होती है, तो जंगल के कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, ऐसे में हमें डर भी लगता है कि कहीं हम फिसल कर खाई में गिर न जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क मिल जाए, तो हमें एक सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा, जिससे हम स्कूल और घर समय पर पहुंच सकते हैं। सड़क न होने से परेशान गांव वासी लाल सिंह और पवन सिंह का कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग हैं, हमें रोज काम करने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है। गांव में, जहां थोड़ी-बहुत सड़क ठीक है, वह भी बारिश के दिनों में खराब हो जाती है। रास्ता सही न होने के कारण हमें राशन और खाने-पीने की सामग्री आदि लाने में भी मुश्किल आती है। वहीं बुजुर्ग महिला जसुली देवी का कहना है कि हम भी अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, लेकिन गांव में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। टूटी-फूटी सड़कों के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों और गांव के बुजुर्गों को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क न होने के कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है, जिससे मरीजों को चारपाई पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है, जो वर्षा के दिनों में सबसे खतरनाक परिस्थिति होती है। राजकीय इंटर कॉलेज, बघर के शिक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि यह कॉलेज गांव से चार किलोमीटर दूर है। यहां बहुत दूर-दूर से बच्चे आते हैं। बरसात में अधिक बारिश होती है, तो बच्चे आना बंद कर देते हैं। यह वह गांव है, जहां लोग सड़कों पर चलने के लिए सड़क ढूंढते हैं। हालांकि गांव वालों का विश्वास है कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाने वाली सरकार एक दिन उनके गांव तक भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा जरूर पहुंचाएगी।

'राष्ट्रपति' शब्द के लैंगिक औचित्य पर बहस, यह विवाद राजनीतिक या व्याकरणिक

बाला साहब ठाकर ने एक सुझाव दिया था कि यदि राष्ट्रपति महिला हो तो उसे राष्ट्रपति के बजाए 'राष्ट्राध्यक्ष' कहा जाए। लेकिन इस पर विवाद हो सकता था। अब देश की नई राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के पदनाम की लैंगिकता पर बेवजह विवाद खड़ा किया जा रहा है। देश में 'राष्ट्रपति' जैसे संवैधानिक शब्द को जेंडर न्यूट्रल (लिंग निरपेक्ष) घोषित करने की मांग दरअसल इस अत्यंत सम्मानित और मोटे तौर पर सर्वस्वीकृत शब्द को लेकर उठे विवाद को जिंदा रखने की कोशिश भर लगती है। देश के संवैधानिक इतिहास में यह तीसरी बार है, जब राष्ट्र के सर्वोच्च पदनाम के लैंगिक औचित्य को लेकर बवाल खड़ा किया जा रहा है।पहला विवाद आजादी के पहले संविधान सभा में हुआ था, जब इस राष्ट्रपति शब्द को अंग्रेजी के 'प्रेसीडेंट' शब्द के पर्यायवाची के रूप में प्रस्तावित किया गया था और काफी बहस के बाद उसे स्वीकार कर लिया गया था। दूसरी बार इस पर बवाल तब मचा, जब देश की पहली महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल बनीं। सवाल उठता कि उन्हें 'राष्ट्रपति' कैसे पुकारा जाए, क्योंकि वो तो एक महिला हैं? इसी विवाद में स्व. बाला साहब ठाकर ने एक सुझाव दिया था कि यदि राष्ट्रपति महिला हो तो उसे राष्ट्रपति के बजाए 'राष्ट्राध्यक्ष' कहा जाए, लेकिन इस पर विवाद हो सकता था। अब देश की नई राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के पदनाम की लैंगिकता पर बेवजह विवाद खड़ा किया जा रहा है। या यूं कहे कि एक राजनीतिक विवाद को व्याकरणिक विवाद में तब्दील करने की कोशिश की जा रही है। इस बात की तह में जाना जरूरी है कि आखिर प्रेसीडेंट के हिंदी समकक्ष शब्द के रूप में 'राष्ट्रपति' शब्द का औचित्य क्या है और क्यों है 'राष्ट्रपति' शब्द को बवाल राष्ट्रपति' शब्द को लेकर ताजा बवाल की शुरुआत लोकसभा में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के उस विवादित बयान से हुई, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'राष्ट्रपत्नी' कहकर सम्बोधित किया। भाजपा ने इसे जानबूझ कर एक महिला राष्ट्रपति का अपमान बताया और चौधरी से इसके लिए माफी मांगने की मांग की तो खुद चौधरी और उनकी पार्टी कांग्रेस एकदम बैकफुट पर आ गए। क्योंकि जो चौधरी ने कहा वो अनौपचारिक रूप में मजाक के तौर पर भले कह दिया जाता हो, लेकिन एक संवैधानिक पद के नामकरण को लेकर अपने आप में बहुत निम्नस्तरीय टिप्पणी थी। बाद में चौधरी ने स्वयं राष्ट्रपति मुर्मू को चिट्ठी लिखकर यह कहकर माफी मांगी कि चूंकि वो स्वयं बंगला भाषी हैं, इसलिए शब्द में निहित लिंगभेद ठीक से समझ नहीं पाए। यह सही है कि बांग्ला में स्त्री और पुरुष सम्बोधनों और क्रियापदों में वैसा लिंग भेद नहीं है, जैसा कि हिंदी में है। अंग्रेजी में भी कई शब्द लिंग निरपेक्ष ही हैं, लेकिन हिंदी की प्रकृति अलग है। इसीलिए महिला और पुरुषों को लेकर कार्यकारण शब्दों और क्रियापदों में अंतर होता है। अधिरंजन चौधरी ने जो कहा, वह केवल 'भाषागत अज्ञान' अथवा वाचिक असावधानी भर नहीं थी, उसमें कहीं न कहीं राजनीतिक उपहास और गहरे कटाक्ष का भाव भी था। इसी भाव को जिंदा रखने के लिए मप्र. के भिंड के एक कांग्रेस नेता देवाशीष जरारिया ने अब खुद राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांग की है कि राष्ट्रपति शब्द को 'लैंगिक रूप से तटस्थ' घोषित किया जाए अर्थात यह शब्द न तो पुल्लिंग होगा और न ही स्त्रीलिंगी। संविधान की मूल ड्राफ्टिंग हमारे संविधान की मूल ड्राफ्टिंग अंग्रेजी में है। इसमें देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए संविधान रचनाकारों ने अंग्रेजी के प्रेसीडेंट' शब्द को अंगीकार किया। इस पर कोई विवाद नहीं रहा। लेकिन संविधान के हिंदी प्रारूप में प्रेसीडेंट' के समानार्थी शब्द को लेकर संविधानकारों में मतभेद था। परिणामस्वरूप कई सुझाव

आए, जिनमें राष्ट्रप्रधान, कर्णधार, सरदार, चीफ एक्जीक्युटिव, राष्ट्राध्यक्ष आदि थे। लेकिन किसी पर भी आम सहमति नहीं बनी। इसका कारण यह हो सकता है कि सुझाए गए किसी भी शब्द में देश के सर्वोच्च पद में निहित गरिमा और उसकी अपेक्षित प्रतिध्वनि महसूस नहीं हो रही थी। वैसे भी हिंदी में 'पति' शब्द केवल दाम्पत्य जीवन के 'पति' तक सीमित नहीं है। पति शब्द मूल रूप से संस्कृत की 'पा' धातु से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है-रक्षा करना। गृहस्थ जीवन के संदर्भ में चूंकि यह अपनी स्त्री के संरक्षण से सम्बन्धित है, इसलिए ऐसा करने वाले को 'पति' कहा गया है। पति परिवार का मुखिया भी माना जाता है। हालांकि समय और बदलते दायित्वों के साथ पति शब्द का काफी विस्तार हुआ और समाज ने उसे 'अधिपति' या 'स्वामी' के अर्थ में स्वीकार कर लिया।इसी संदर्भ में 'राष्ट्रपति' शब्द से तात्पर्य राष्ट्र के संरक्षक और मुखिया से है न कि किसी पुरुष मात्र या परिवार विशेष के मुखिया से। क्योंकि यदि इसे संकुचित भाव से लिया जाएगा तो कल को इस देश में कोई महिला सेनापति बनी तो उसे किस पदनाम से सम्बोधित करेंगे कुलपति, सभापति, करोड़पति, न्यायाधिपति, उद्योगपति आदि कई शब्द हैं, जो अपने आप में लिंग निरपेक्ष हैं। इसकी अलग से व्याख्या करने या वैसी उद्घोषणा करने की मांग अपने आप में मूर्खतापूर्ण ही है। इसी तरह महिला मंत्री को मंत्राणी कहना भी सही नहीं है। किसी भी भाषा में शब्द का अर्थ उसमें निहित भाव और आशय से प्रकट होता है। कुछ अति शुद्धतावादी अथवा सहज भाषा के अज्ञानी इसमें भी गड़बड़ करते हैं, जैसे कि महिला अध्यक्ष को 'अध्यक्षा' कहना। हालांकि हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि हिंदी में ऐसे लिंग निरपेक्ष शब्दों का कोई सुस्पष्ट मानकीकरण नहीं है। उदाहरण के लिए अगर राष्ट्रपति पद के एक ही शब्द के उपयोग का आग्रह है तो बोल-चाल में इस्तेमाल होने वाले कई शब्द जैसे कि शिक्षिका, अध्यापिका, नेत्री, व्यवस्थापिका, प्राचार्या, अध्यक्षा, लेखिका, कवियित्री आदि को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं है। डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, पुलिस, सिपाही, सैनिक, चित्रकार, वाहन चालक, कार्यकर्ता आदि शब्दों को सहज भाव से लिंग निरपेक्ष मान लिया गया है। यदि राष्ट्रपति' नामक संज्ञा को लिंग निरपेक्ष घोषित करना उचित माना जाए तो फिर उपरोक्त सभी शब्दों के उपयोग के बारे में भी एक निश्चित नियम बनाना पड़ेगा। दरअसल यह झगड़ा शब्दों के प्रचलित अर्थ से ज्यादा लिंग विचारधारा (जेंडर आइडियालॉजी) को लेकर है। बताया जाता है कि 1975 में एनसीईआरटी ने अंगरेजी के 'गैर लिंगी' (नॉन सेक्सिस्ट) शब्दों को लेकर एक गाइड लाइन जारी की थी। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी इस पर काम हुआ है। परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि पुल्लिंग शब्द आम तौर पर लिंग निरपेक्ष ही होते हैं। लेकिन इसके पीछे बड़ा कारण पितृसत्तात्मक परंपरा का स्वीकार और पुरूषों के ही समाज का नियंता होने की मान्यता है। इसे मोटे पर स्त्रियों ने भी मंजूर कर लिया है या उन्हें उन्हें ऐसा करने पर विवश होना पड़ा है। शायद सौंदर्य, ममत्व और समर्पण ही ऐसे भाव हैं, जहां स्त्री के गुणों और अधिकारिता को मानक रूप में स्वीकार किया जाता है। बाकी शब्दों, संज्ञाओं में पुरुषत्व और पुरुष प्रधान मानसिकता ही हावी है। यद्यपि इस बारे में जानकारों का तर्क है कि केवल संवैधानिक पदों के बारे में ही लिंग निरपेक्षता का नियम लागू होता है अन्य में नहीं। लेकिन इस सम्बन्ध में किसी भी तरह के कनफ्यूजन और खासकर गैर हिंदी भाषियों के असमंजस को दूर करने के लिए ऐसी संज्ञाओं और पदनामों की स्पष्ट व्याख्या और दिशा-निर्देश जरूरी हैं। व्याकरण की दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण है। हालांकि कुछ मामलों में ऐसे लिंग निरपेक्ष शब्द आम बोलचाल में इस्तेमाल भी होने लगे हैं मसलन दल, गुट, कारोबार, बैठक आदि। बेहतर यही है कि 'राष्ट्रपति' शब्द को लेकर राजनीतिक तलवारबाजी करने के बजाए इसे भाषाशास्त्रियों और समाज पर छोड़ देना चाहिए। वैसे भी संवैधानिक पदों पर लैंगिक औचित्य का विवाद खड़ा करना बेकार की कवायद ही है।

मानव स्वास्थ्य के लिए नई तकनीकों से चिकित्सा में क्रांति से जटिल रोगों के उपचार की उम्मीद

रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान) में आधुनिक तकनीकों का काफी ज्यादा प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म की मदद से असामान्य तस्वीरों के बारे में सूचना हासिल की जा सकती है। नई तकनीकों के आविष्कार से चिकित्सा जगत में ऐसी क्रांति हुई है, जिसने जटिल रोगों के उपचार और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के नए द्वार खोल

दिए हैं। इससे आधुनिक चिकित्सा पद्धति (स्दीह सम्मह) को बहुत मदद मिली है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल ऑपरेशन थियेटरों में होता है और इससे सर्जरी करने वाले डॉक्टरों को बेहतर अनुमान हासिल करने में मदद मिलती है। आभासी तकनीक का इस्तेमाल मानसिक रोगों के इलाज के लिए कृत्रिम माहौल बनाने में किया जा सकता है। एआई का दायरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह कम समय और कम लागत में वह काम कुशलतापूर्वक करता है, जो मनुष्य कर सकता है। एआई विभिन्न लक्षणों की निगरानी, आपातकालीन देखभाल में सहायता के माध्यम से बीमारियों का पता शुरुआती चरणों में ही लगाने में मदद करता है। रोबोट कठिन और आवश्यक सर्जरी में डॉक्टरों की मदद कर रहे हैं। रोबोटिक्स पुनर्वास केंद्रों में भी व्यायाम और उपचार के साथ व्यक्तियों की सहायता करते हैं। ट्रामा, ट्यूमर और संक्रमण की वजह से होने वाली हड्डी संबंधी बीमारी के इलाज में 3-डी प्रिटिंग की वजह से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। दरअसल, 3-डी प्रिटिंग के जरिये छिद्रयुक्त कस्टमाइज प्रत्यारोपण संभव होता है और इससे अंगों की सुरक्षा में मदद मिलती है। कई मामलों में अंग-विच्छेदन को रोका जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण तकनीक की मदद से शुरुआती चरण में ट्यूमर का पता लगाया जा सकता है। गणितीय मॉडल के आधार पर सफलता/जटिलताओं आदि के बारे में भविष्यवाणी करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग का अहम योगदान रहा है।

देश की सबसे पुरानी जेल इमारत और सलाखों से झरतीं तिनका-तिनका रेडियो की आवाजें

तारीख 31 जुलाई, साल 2013, जगह तिहाड़। उस दिन भारत के पहले जेल रेडियो का जन्म हो रहा था और मैं तिहाड़ जेल में खड़ी उसकी साक्षी थी। यही वह समय था जब तिनका तिनका तिहाड़ अपना अंतिम रूप ले रहा था। तारीख 31 जुलाई साल 2013, जगह तिहाड़। उस दिन भारत के पहले जेल रेडियो

का जन्म हो रहा था और मैं तिहाड़ जेल में खड़ी उसकी साक्षी थी। यही वह समय था जब 'तिनका-तिनका तिहाड़' अपना अंतिम रूप ले रहा था। अब तारीख बदली हैं 31 जुलाई 2021, ठीक 6 साल बाद तिनका-तिनका खुद एक जेल रेडियो को जन्म देता है, जगह ज़िला जेल आगरा। यह जेल भारत की सबसे पुरानी जेल इमारतों में से एक है। जिस दौरान उत्तर प्रदेश की जेलों पर मैं एक शोध कर रही थी,तब (बारीकी से देखने पर) यह पता चला कि हर जेल की एक अलग अपनी ज़रूरत है, और जेल रेडियो उसमें एक बड़ी कमी को पूरी कर सकता है। यह सोचा कि काम कुछ कागज़ों पे सीमित न हो, इसलिए ज़रूरी है कि तिनका तिनका ठोस काम की कड़ियों को जोड़ता जाए और यही वजह है कि ज़िला जेल, आगरा में बनाया गया- आगरा जेल रेडियो। मार्च 2019 में इसका खाका तैयार किया गया। 2 रेडियो जॉकी सामने आए, एक पुरुष और एक महिला, नाम उदय और तुहिना। दोनों विचाराधीन, उदय पुरुषों का नेतृत्व करता था और तुहिना महिला बैरक का। आज से ठीक 3 साल पहले इस समय जेल में भरपूर हलचल थी। एक छोटा सा कमरा जिसे सतीश और अरबाज़ ने सजाया था। सतीश ने बताया था कि अभी कुछ दिन पहले उसने आत्महत्या करने की कोशिश की थी लेकिन उसे जब जेल के कमरे को सजाने का काम दिया गया तो उसकी आँखों की चमक देखने लायक थी। जेल के इस कमरे में मामूली सुविधाएं थीं, एक छोटा सा स्टूल था, एक छोटा सा टेबल, एक माइक्रोफोन, पीछे एक बड़ा सा सूरज, जो तिनका तिनका की पहचान है। भरे हुए रंग, छोटा सा कमरा अचानक उमीदों से भरा हुआ दिखने लगा। जेल रेडियो का यह कमरा जेल के मुख्य द्वार के एकदम पास है। एक ऐसी जगह जो महिला और पुरुष, दोनों जेलों के बीच की जगह थी। उस दिन जेल के रेडियो के उद्घाटन को देखने के ख़ास तौर पर जेल के बच्चों को बुलाया गया था। उस दिन ठुमकते ठुमकते थोड़ा-सा चलकर बाहर आए तो उन्हें एक अलग सी दुनिया दिखाई दी। जहाँ पर बहुत सारे पुरुष थे, वर्दी पहने हुए बहुत सारे लोग और अचरज यह कि इतने सारे गुब्बारे, इतने सारे रंग। इन बच्चों ने पहली बार गुब्बारों को देखा था। पहली बार इतने रंगों को देखा। पहली बार इतने झालरों को देखा। माइक्रोफोन को देखा, इतनी खुशियों को देखा। वे तो ठिठक गए, उस दिन उन्होंने बहुत सी मिठाइयां भी खाईं। इस तरह शुरू हुआ जेल का रेडियो।जेल रेडियो का उद्घाटन आगरा के एसएसपी श्री बबलू कुमार एएज़ीुं, जिला जेल, आगरा के जेल सुपरिंटेंडेंट श्री शशिकांत मिश्रा और मैंने किया। सबसे पहले उदय और तुहिना को सारी जेल से इंट्रोड्यूस किया गया। उसके बाद शुरू हो गया जेल का रेडियो। सबसे खास बात यह थी कि इस जेल के रेडियो पर जेल के बच्चों ने अपनी कविताएं सुनाई। इस तरह आगरा जेल रेडियो चलने लगा, कुछ दिनों बाद, जब एक और विजिट पर गई तो मैंने देखा कि इस बार उत्साह के साथ सामने आया रजत और असल में कहूं तो यही रजत बाद में जेल रेडियो की भाग-दौड़ को सँभालने लगा। चुपचाप सा दिखने वाला रजत, जेल रेडियो के लिए पूरी तरह से समर्पित था। कोरोना का दौर मार्च 2020 में कोरोना आया तो फिर शुरुआत में ही जेल के अधीक्षक श्री शशिकांत मिश्रा और मैंने कुछ घोषणाएं कीं। कोरोना के समय बंदियों को सतर्क करने में जेल का रेडियो एक बड़े साधन के तौर पर जुट गया। जेल रेडियो का पूरा संचालन तिनका तिनका मॉडल ऑफ प्रिजन रिफॉर्म्स के तहत किया गया। इसी मॉडल को हम लगातार संशोधित करते रहे और 2021 में हरियाणा की 7 जेलों में रेडियो आ गया। वैसे यह भी बता दूँ कि ज़िला जेल आगरा में इस रेडियो के आने के बाद इसी साल 2019 में तिनका तिनका इंडिया अवॉर्ड्स के लिए, उदय और तुहिना को विशेष तौर पर ज़िला जेल, लखनऊ में आमंत्रित किया गया। इन दोनों को पुरस्कार दिया उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक श्री आनंद कुमार और पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री सुलखन सिंह ने। बहरहाल आगरा जेल रेडियो अपनी कोशिशों के साथ जारी है। बहुत सी जेलों में जेल रेडियो शुरू हुआ कर फिर बंद भी हो गया, या फिर कुछ में नाम के लिए शुरू हुआ। लेकिन तिनका यह कोशिश करता है कि जब रेडियो शुरू हो तो एक ख़ास मॉडल के साथ हो। पूरी तैयारी के साथ हो और वह निरंतर चलता रहे। लेकिन एक सच यह भी है कि जेल के रेडियो का ईंधन, उसकी ऊर्जा, उसकी इच्छाशक्ति, बंदियों और जेल के स्टाफ से ही आती है। कई बार जेल स्टाफ को यह समझाना जरा मुश्किल होता है कि आवाज़ों की दुनिया सलाखों में रंग भरने का काम कर सकती है और अगर इन रंगों से खुशियां आती हों तो उसका स्वागत करने में हर्ज़ ही क्या है?

संक्षिप्त समाचार

एससीओ से इतर उपयोगी रही जयशंकर की रूसी विदेश मंत्री लावरोव से वार्ता

नई दिल्ली। जयशंकर ने उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाखस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद से इतर ताशकंद में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, एससीओ में विदेश मंत्रियों की सभा के बाद ताशकंद से प्रस्थान। लावरोव से बातचीत काफी उपयोगी रही। जयशंकर ने उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाखस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय

बैठकें कीं और भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। एससीओ बैठक की बैठक में भाग लेने के लिए एस जयशंकर 28-29 जुलाई को ताशकंद गए थे। इसमें भारत के अलावा, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने भी भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में 15-16 सितंबर को समरकंद में होने वाले राष्ट्राध्यक्षों के आगामी एससीओ शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। भारत को जारी रहेगा सहयोग रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ जयशंकर की मुलाकात में 28 जुलाई को कई सामयिक मुद्दों पर बातचीत हुई। रूस के दूत डेनिस अलीपोव ने कहा, यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद व्यापार में कुछ कठिनाइयां थीं लेकिन उन बाधाओं में से अधिकांश को पार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, प्रतिबंध निश्चित रूप से चुनौतियां पैदा करेंगे लेकिन साझा हितों के आधार पर भारत को सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि निकट भविष्य में रूस-भारत में आयात- निर्यात एक दूसरे को गति प्रदान करेगा।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को ब्रम्हचारी कुटी में हुआ भगवान शिव का पूजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । पावन श्रावण मास के तीसरे सोमवार को सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में भगवान शिव का विधि

विधान से अभिषेक व पूजन कराया गया। पंडित मनोहर दीक्षित शास्त्री एवं पंडित सुमित दीक्षित शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सुबह 4 बजे से भगवान शिव का दुग्धधारा से अभिषेक कराया गया। रुद्राभिषेक के बाद भगवान शिव का श्रृंगार किया गया और आरती की गई व प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान तमाम शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक एवं बिल्वपत्र अर्पित कर पूजन किया। बम बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर शिवमय हो गया इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान शिव भाव से की गई थोड़ी सेवा से ही प्रसनन हो जाते हैं। श्रावण मास के सभी सोमवार को भगवान शिव की आराधना विशेष फलदायी है। महादेव भक्तों के सारे कष्ट दूर कर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।भगवान शिव सभी का कल्याण करें। इस अवसर पर कुटी व्यवस्थापक पिंटू बाबा, अनमोल झा, पंडित महिपाल शर्मा, अशोक कुमार, ओम कुशवाहा, सुरेंद्र यादव, नेपाल चौहान, पुष्पेंद्र बंसल , सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह के चलते इनरव्हील क्लब वीरांगना द्वारा वर्कशॉप का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। इनरव्हील क्लब वीरांगना द्वारा स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत एक वर्कशॉप का आयोजन जेन्या हॉस्पिटल झाँसी में किया गया,

जिसमें डॉक्टर सपना सह-आचार्य, शिशु विभाग महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज झाँसी द्वारा स्तनपान से होने वाले फायदों के बारे में बताया गया, इस वर्कशॉप को क्लब अध्यक्ष ममता यादव द्वारा संचालित किया गया।इसमें लक्ष्मण सेठ हॉस्पिटल, दीप हॉस्पिटल व डिस्ट्रिक्ट वुमन हॉस्पिटल के नर्सिंग स्टाफ भी सम्मिलित हुए। क्लब के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी दी, जिसमें डॉ. कल्पना सिंह, शशि गर्ग व सविता अग्रवाल भी अहम रूप से उपस्थित रहीं। इस वर्कशॉप का आयोजन व निर्देशन क्लब सचिव डॉ. इंदु सक्सेना ने किया। डॉ. इंदु सक्सेना बाल रोग विशेषज्ञ ने भी इस संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी, अंत में आभार क्लब सचिव डॉ इंदु सक्सेना ने व्यक्त किया।

भारतीय किसान संगठन के नोएडा महानगर कार्यालय पर एक सभा का आयोजन कर वीर उधम सिंह के शहीदी दिवस पर श्रृद्धांजलि अर्पित की गयी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारतीय किसान संगठन के नोएडा महानगर कार्यालय पर एक सभा का आयोजन कर वीर उधम सिंह के शहीदी दिवस पर श्रृद्धांजलि अर्पित की गयी सभा के मुख्य अतिथि भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक यादव नें वीर उधम सिंह के जीवन और उनकी भारत माता के प्रति सच्ची निष्ठा एवं आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला भारतीय किसान संगठन के नौएडा महानगर अध्यक्ष सुरेन्द्र वशिष्ठ नें सभा की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज भारतवर्ष को वीर उधम सिंह जैसे वीरों की पुनः आवश्यकता है

जिन्होंने भारत माता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें स्वतंत्र कराया। सामाजिक संस्था हेल्पिंग हैण्डस की अध्यक्ष श्रीमती रजनी कटारिया भी सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही तथा कहा कि हमें वीर शहीदों के पद चिन्हों पर चलकर देश के प्रति सच्ची श्रृद्धा एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर देश सेवा एवं सच्ची समाज सेवा करना भी वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है।सभा में मुख्य रूप से इंद्रजीत, शकील मोहम्मद, अजीम, अनिल कुमार, रहीसुददीन, संतोष कुमार, जितेंद्र सोलंकी, सोनू, अमित कुमार, दीपक व शाहरुख़ आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकारिणी सदस्य ताराचंद नायक के दिशानिर्देशों में मन की बात कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात आज प्रातः 11 बजे सेक्टर 82 पॉकेट 7 मे बूथ अध्यक्ष संजय पाण्डेय के आवास पर सभी कार्य कर्ताओ ने सुनी। सभी ने प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात को बडी तन्मयता के साथ सुनी उसके बाद यही पर सभी कार्य कर्ताओ का जलपान हुआ । इस मौके पर रमेश चंद्र शर्मा, गोरेलाल कुमार, हरि शंकर सिंह,अमितेश सिंह, विजेंद्र सिंह आदि पार्टी के कार्यकर्ता बडी संख्या में मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेविका समिति का गुरू दक्षिणा कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर आज राष्ट्रीय स्वयं सेविका समिति द्वारा गुरू दक्षिणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा महानगर की कार्यवाहिका इन्द्राणी मुखर्जी उपस्थित रही। उन्होंने समिति की स्वयं सेविकाओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समाज मे महिलाओं का सशक्त बनना बहुत जरूरी हो गया है। हमारे देश की आधी आबादी महिलाऐ है।यदि महिलाओं ने घर से निकल कर बिगुल बजा दिया तो समाज का धर्म का और राष्ट्र का उत्थान अवश्य होगा। आज महिलाएं घरों तक सिमट कर रह गई है। उनके साथ समाज में कैसे कैसे अत्याचार होते है वो किसी से कह भी नहीं पाती है हमारी लड़कियां जो नये समाज का आइना है ऐ अपने धर्म और संस्कार को भूलती जा रही है। इन्हें अपने संस्कार से जोडना है।तभी समाज का सम्ग्र विकास संभव हो पाएगा। कार्यक्रम मे सबसे पहले एकल गीत हुआ सभी स्वयं सेविकाओ ने ध्वज को प्रणाम किया है अपना अपना गुरू दक्षिणा समर्पित किया। इस मौके पर श्रीमती विभा शुक्ला,श्रीमती विनीता, सीमा सिंह, भावना पाण्डेय, रीता मिश्रा, रश्मि राघव, संध्या तिवारी, सीमा शुक्ला,पुष्पा रानी दास,मंजू गुप्ता, ममता सिंह, ज्योतिका सिंह, रेनू भगत,मंजू पाठक,मंजू वर्मा आदि स्वयं सेविकाऐ मौजूद रही।

भाजपा महिला मोर्चा नोएडा महानगर द्वारा मनाया गया तीज का त्यौहार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भाजपा महानगर की महिला मोर्चा ने तीज के त्योहार को बहुत धूमधाम से सेक्टर- 35 के बारात घर मे मनाया गया। इसमे मुख्य अतिथि के रूप मे डा. उमा शर्मा , श्रीमती अर्चना गुप्ता ,एवम् श्रीमती गिरिजा सिंह रही। यह कार्यक्रम महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता मे हुआ। इस कार्यक्रम की तैयारी हफ्तों से चल रही थी। इस कार्यक्रम मे श्रीमती शहर मधू मेहरा और श्रीमती शिवानी शरद का विशिष्ट योगदान रहा। श्रीमती राजश्री गुप्ता, श्रीमती भारती नेगी, श्रीमती दीपाली दीक्षित, श्रीमती नीता बाजपेई, श्रीमती आरती कोचर,श्रीमती इंदू यादव का योगदान रहा। इस कार्यक्रम मे मंच सचालन का कार्य श्रीमती नीता बाजपेई ने किया। इस तीज के कार्यक्रम मे सभी बहनो ने रंगारंग कार्यक्रम

प्रस्तुत किया,जिसमे डांस,गाना ,मेहंदी लगाना, जैसे कार्यक्रम रहे। विशेष रूप से श्रीमती वंदना गुप्ता, श्रीमती आशा पोद्दार, श्रीमती राजश्री गुप्ता, श्रीमती शारदा पुष्प, श्रीमती रेनूबाला, श्रीमती उषा किशोर, श्रीमती ममता तिवारी, श्रीमती पारूल , श्रीमती दिपाली,श्रीमती आरती आदि बहनो की प्रस्तुति अति उत्तम रही ,इन्होने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। साज सज्जा का किम शारदा पुष्प ने सम्हाला, फोटोग्राफी का काम श्रीमती इंदु गुप्ता ने सम्हाला। डा. उमा शर्मा ने सभी मंडल के अध्यक्ष बहनो को चुनाव मे कडी मेहनत के लिए सम्मानित किया। श्रीमती अर्चना गुप्ता ने सभी कार्यक्रम के भागीदार बहनो को पुरस्कृत किया। सभी ने अंत मे रेम्प वाक करके कार्यक्रम को समाप्त किया गया । सभी ने मिलकर स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया और एक दूसरे के हाथो मे मेंहदी लगाकर बधाई दी।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग बोले चीनी सेना का नेतृत्व कम्युनिस्ट पार्टी के विश्वसनीय लोग

चीन। ही करें शी ने पीएलए की स्थापना की 95वीं वर्षगांठ से पहले (1 अगस्त) सेवाकर्मियों को बधाई दी। चीनी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी तब आई जब चीन ने अमेरिका की

हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान की योजनाबद्ध यात्रा पर तनाव बढ़ा दिया। ने कहा कि देश को राष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति में बढ़ती अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि चीनी सेना का नेतृत्व सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार विश्वसनीय लोगों द्वारा किया जाना चाहिए ताकि दुनिया के सबसे बड़े सैन्य बल पर अपना पूर्ण नेतृत्व सुनिश्चित किया जा सके। शी ने पीएलए की स्थापना की 95वीं वर्षगांठ से पहले (1 अगस्त) सेवाकमिर्यों को बधाई दी। चीनी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी तब आई जब चीन ने अमेरिका की हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान की योजनाबद्ध यात्रा पर तनाव बढ़ा दिया, जिसे बीजिंग अपनी मुख्य भूमि के हिस्से के रूप में दावा करता है। अपने सैनिकों के नाम संबोधन में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि सशस्त्र बलों को विश्वस्तरीय सेना बनाने के लिए कमियों की रणनीति का बहुत महत्व है। आने वाले पांच वर्षों में देश की सेना के लिए महत्वपूर्ण कार्य पीएलए के शताब्दी उद्देश्यों को प्राप्त करना है।

आधार नम्बर एकत्र किये जाने हेतु दल मतदाताओं को करें जागरूक -डॉ0नितिन बंसल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के साथ बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह राजनीतिक दलों का दायित्व एवं कर्तव्य है कि वह मतदाताओं को जागरूक करें कि वे अपने आधार नंबर का एकत्रीकरण कराएं बैठक में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने की कार्यवाही 01 अगस्त से प्रारम्भ की जा रही है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के नियम-23 के अनुसार सम्मिलित मतदाताओं द्वारा आधार नम्बर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960 के उप नियम-26 बी द्वारा अधिसूचित फार्म-6बी में दिया जायेगा। फार्म-6बी आनलाइन एनवीएसपी डाट इन पर उपलब्ध रहेगा। उन्होने बताया है कि स्व प्रमाणन के साथ सम्बन्धित मतदाता मतदाता पोर्टल/एप पर आनलाइन फार्म-6बी भर सकता है तथा यूआईडीएआई में पंजीकृत अपने मोबाइल नम्बर पर प्राप्त होने वाले ओटीपी का उपयोग करके आधार को स्वयं प्रमाणित कर सकता है। स्व प्रमाणीकरण के बिना मतदाताओं द्वारा आवश्यक संलगन्कों के साथ फार्म-6बी आनलाइन जमा किया जायेगा।उन्होने बताया है कि आधार नम्बर एकत्रीकरण हेतु अगस्त माह में 02 तिथिया यथा 07 अगस्त एवं 21 अगस्त दिन रविवार को विशेष कैम्प आयोजन के लिये निर्धारित किया गया है। यह कैम्प जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर किया जायेगा जहां पर मतदाता सूची में शामिल मतदाता फार्म-6बी में स्वैच्छिक रूप से अपना आधार नम्बर भरकर बूथ लेबल अधिकारियों को उपलब्ध करा सकते है। मतदाताओं द्वारा आधार उपलब्ध कराना स्वैच्छिक है और इस आधार पर उनका नाम मतदाता सूची डेटाबेस में अपमार्जित नही किया जायेगा कि उनके द्वारा आधार नम्बर उपलब्ध नहीं कराया गया है। किसी भी परिस्थिति में प्राप्त आधार नम्बर को सार्वजनिक नहीं किया जायेगा। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा परिवर्धन/अपमार्जन/संशोधन इत्यादि के सम्बन्धित फार्म को परिवर्तित किया गया है। परिवर्तित फामी में से प्रथम बार आवेदन कर रहे नये मतदाताओं के पंजीकरण हेतु फार्म-6, निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति हेतु तथा पूर्व से शामिल नाम को अपमार्जित करने हेतु फार्म-7 तथा निवास परिवर्तन/निर्वाचन नामावली में संशोधन/मतदाता पहचान पत्र का प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्म-8 है। आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां यथा 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। अर्हक तिथियों को या उससे पूर्व यदि कोई मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता है तो वह अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकता है। बैठक में जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों से कहा कि मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्रीकरण का अभियान चलाया जाना है जिसके लिये फार्म-6बी मतदाता द्वारा भरा जायेगा जिसमें आधार नम्बर की जानकारी दी जायेगी। किसी भी मतदाता से आधार कार्ड की छायाप्रति नही ली जायेगी। इसके लिये बीएलओ 01 अगस्त 2022 को कैम्प लगाकर मतदाताओं से सम्पर्क करेगें। यदि कोई मतदाता आनलाइन फार्म भरना चाहता है तो कर सकता है। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि आधार एकत्रीकरण किये जाने का उद्देश्य मतदाता सूची को निर्विवाद एवं त्रुटिरहित बनाया जाना है, अपने स्तर से मतदाताओं को जागरूक करें। आगामी दिवसों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का भी कार्य प्रारम्भ किया जायेगा जिसमें मतदाता सूची में नाम संशोधन, बूथ परिवर्तन, मतदान केन्द्र परिवर्तन आदि से सम्बन्धित शिकायतों का समाधान करते हुये त्रुटिरहित मतदाता सूची मा0 निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अन्तर्गत बनवायी जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित राजनैतिक दलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष डा0 वी0के0 सिंह, आरएलडी के जिला अध्यक्ष आजाद अली, भाजपा से जिला मंत्री रामजी मिश्र, बीएसपी के जिलाध्यक्ष लालचन्द्र गौतम, समाजवादी पार्टी से इरशाद सिद्दीकी, सीपीआईएम से लाल बहादुर, भाकपा से राम बरन सिंह सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समय आने पर सब पता चल जाएगा' घोटालों के आरोप के बीच पार्थ चटर्जी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। ईडी ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री व मौजूदा उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को इस घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। उन्हें विशेष कोर्ट ने 3

अगस्त तक ईडी की हिरासत में सौंपा है। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपी पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों से कैश की बरामदगी के बाद रविवार को पार्थ चटर्जी ने कहा, समय आने पर सब पता चल जाएगा। दरअसल, पार्थ चटर्जी को रविवार को मेडिकल जांच के लिए ईएसआई अस्पताल लाया गया था। इस दौरान घोटालों के आरोप और साजिश के सवाल पर उन्होंने कहा, समय आने पर आप सभी को सबकुछ पता चल जाएगा। उन्होंने कहा, जो पैसा बरामद हुआ है, वह मेरा नहीं है। दरअसल, चटर्जी ने पहले भी कहा था कि मुझे साजिश के तहत फंसाया गया है। ईडी ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री व मौजूदा उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को इस घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। उन्हें विशेष कोर्ट ने 3 अगस्त तक ईडी की हिरासत में सौंपा है। उनके अलावा टीएमसी विधायक माणिक भट्टाचार्य व चटर्जी के निजी सचिव सुकांत आचार्य भी घेरे में हैं। अब तक 50 करोड़ हुआ है बरामद पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी से पूछताछ के बीच ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करीब 15 और ठिकानों पर छापे मारने की तैयारी में है। अब तक ईडी ने दो जगह छापों में करीब 50 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। वहीं, ईडी की जांच पूरी होने के बाद जल्द ही इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो और आयकर विभाग भी शामिल हो सकते हैं। आयकर विभाग बेनामी संपत्ति के मामले में पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी से सवाल-जवाब कर सकता है। यह भी सूचना है कि जो चार लग्जरी कारें गायब हैं, उनका अभी तक पता नहीं चला है। ईडी के अधिकारियों को शक है कि इन कारों में रुपये भरकर कहीं भेजे गए।

चांद पर गड्ढे ही गड्ढे, इनमें बसाई जा सकती है मानव बस्तीये गड्ढे 328 फीट गहरे हैं

नई दिल्ली। इन गड्ढों का तापमान चांद की बाकी सतह से थोड़ा ही बदलता है। हालांकि, इनमें ज्यादा अंतर नहीं आता। नासा की टीम ने चंद्रमा के एक क्षेत्र की लंबाई पर कंप्यूटर मॉडलिंग का इस्तेमाल किया है।चांद पर कुछ ऐसे गड्ढे मिले हैं, जो भविष्य में मानव बस्ती बसाने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। नासा के वैज्ञानिकों की एक टीम ने लूनर रिकोनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) की मदद से इनकी सफल खोज की है। ये गड्ढे पहली बार 2009 में देखे गए थे हालांकि अब वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि गड्ढों के अंदर तापमान 17 डिग्री के आसपास रहता है, जो मानव के रहने के लिए उपयुक्त है। नासा की वैज्ञानिक नोआ पेट्रो ने कहा कि लूनर पिट्स यानी चांद के गड्ढे बेहद हैरान करते हैं। अगर इनका तापमान लगातार स्थिर रहता है तो यहां इंसानी बस्ती की संभावना है। इतनी है गहराई ये गड्ढे 328 फीट गहरे हैं। इन गड्ढों का तापमान चांद की बाकी सतह से थोड़ा ही बदलता है। हालांकि, इनमें ज्यादा अंतर नहीं आता। नासा की टीम ने चंद्रमा के एक क्षेत्र की लंबाई पर कंप्यूटर मॉडलिंग का इस्तेमाल किया है। चांद की गुफाओं में भी जीवन संभव नासा का मानना है कि भविष्य में चंद्रमा की गुफाओं में रहना भी संभव हो सकता है। ये गुफाएं अनिवार्य रूप से लावा ट्यूब की होंगी, जो पृथ्वी पर भी पाई जाती हैं। लावा ट्यूब तब बनते हैं जब पिघला हुआ लावा ठोस लावा के नीचे बहता है या बहते लावा के ऊपर एक क्रस्ट बनता है, जिससे एक खोखली सुरंग बनती है। यदि एक ठोस लावा ट्यूब की छत गिरती है, तो यह एक गड्ढा बनाती है।

एक्स गर्लफ्रेंड उर्फी जावेद को लेकर पारस कलनावत ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। कहा- अगर मुझे किसी से उर्फी जावेद अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अतरंगी कपड़ों को लेकर चर्चा में रहती हैं। कभी- अनुपमा के छोटे बेटे का रोल निभाते थे। उर्फी के साथ पारस का नाम जुड़ा था, लेकिन बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब उर्फी ने पारस कोई बुरा बोलकर खुश है तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस बारे में बात करने के लिए मुझमें गुस्सा होना चाहिए, लेकिन मेरे अंदर

कभी वह उल्टे-सीधे बयान देकर भी सुखियां बटोरती रहती हैं। उर्फी का नाम अनुपमा के स्टार पारस कलनावत के साथ भी जुड़ चुका है। वहीं पारस इन दिनों अनुपमा सीरियल की वजह से सुखियों में बने हुए हैं। अनुपमा के मेकर्स ने पारस को कॉन्ट्रैक्स खत्म हुए बिना झलक दिखला जा 10 को साइन करने की वजह से शो से निकाल दिया है अनुपमा शो में पारस के साथ अपने रिलेशन के खत्म होने के कारण का खुलासा किया है। उर्फी ने बताया कि उनके ब्रेकअप की वजह पारस का पॉजेसिव होना है। उर्फी ने ये भी कहा कि पहले उनको अनुपमा शो में लिया जाना था, लेकिन फिर पारस की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। उर्फी की इन बातों का पारस ने एक इंटरव्यू के दौरान जवाब दिया है। पारस कलनावत ने कहा कि मेरे बारे में किसी के लिए कोई बुरी भावना नहीं है। अगर मुझे किसी के दिक्कत है, तो मैं आगे आकर उससे इस बारे में बात करूंगा, बजाय उस इंसान के बारे में कुछ भी बोलने के। ये बात शायद बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि पारस कलनावत और उर्फी जावेद काफी समय तक रिलेशनशिप में रहे हैं। दोनों ने एकसाथ 'मेरी दुर्गा' नाम के टीवी शो में काम भी किया है।

केआरके ने 2022 के लिए की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। बोले- इस साल बॉलीवुड की कोई भी फिल्म केआरके यानी कमाल आर खान अक्सर नई-पुरानी फिल्मों पर अपनी राय देते नजर आते हैं। कई बार वह इसके लिए काफी तल्ख भाषा का प्रयोग करते हैं। एक बार फिर केआरके अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। केआरके यानी कमाल आर खान अक्सर नई-पुरानी फिल्मों पर अपनी राय देते नजर आते हैं। कई बार वह इसके लिए काफी तल्ख भाषा का प्रयोग करते हैं। केआरके अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्मों और सितारों और इंडस्ट्री पर चर्चा करते हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट साझा किया है।

हालांकि, इसमें उन्होंने सीधे तौर पर किसी एक्टर या फिल्म की बुराई या अच्छाई नहीं की है, बल्कि उन्होंने इंडस्ट्री में आज के दौर में बन रही फिल्मों पर ही सवाल उठा दिया है। केआरके का कहना है कि आज के दौर में लोग फिल्में नहीं कॉरपोरेट हाउस के लिए प्रोजेक्ट बना रहे हैं। वरुण धवन की फीस पर जताई हैरानी केआरके ने यह पोस्ट अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से साझा किया है। अक्सर स्टार और फिल्मों पर निशाना साधते नजर आने वाले केआरके दरअसल, इस बार फिल्म और फिल्म मेकिंग पर चिंता व्यक्त करते हुए नजर आए हैं। उन्होंने इस अभिनेता दौरान वरुण धवन का नाम भी लिया है। केआरके ने वरुण धवन को दी जाने वाली मोटी फीस पर हैरानी जताई है। बोले कोई फिल्म नहीं होगी हिट केआरके ने ट्वीट कर लिखा है, 'तमाम लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि कौन-सी फिल्म हिट होगी मैं आपको ईमानदारी से बता दूं कि 2022 में कोई फिल्म हिट नहीं होगी।' केआरके ने आगे लिखा, 'किसी फिल्म के हिट न होने की वजह दरअसल यह है कि कोई भी फिल्म नहीं बना रहा है। हर कोई कॉरपोरेट हाऊस को मूर्ख बनाने के लिए प्रोजेक्ट बना रहा है। आप जरा कल्पना कीजिए कि वे लोग फ्लॉपस्टार वरुण धवन को भी 40 करोड़ रुपये प्रति फिल्म भुगतान कर रहे हैं।' कमाल आर खान के इस ट्वीट पर तमाम यूजर्स ने भी सवालों की झड़ी लगा दी है। एक यूजर ने पूछा, 'लेकिन कई लोग तो कह रहे हैं कि इस साल 'विक्रम वेधा' ब्लॉकबस्टर साबित होगी।

बीते दो महीनों में 17 फिल्मों में हुई भिड़ंत, हिंदी नहीं साउथ ने बॉक्स ऑफिस पर किया राज

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ज्यादातर फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। गिनी-चुनी फिल्मों को छोड़ दिया जाए तो इस साल हिंदी सिनेमा ने हिट से ज्यादा फ्लॉप का दौर देख लिया है। अच्छी कहानी और स्टारकास्ट के बावजूद दर्शक सिनेमाघरों तक आने के लिए तैयार नहीं है। एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में होने के बावजूद वे टिकट खिड़की पर फ्लॉप ही साबित हो रही हैं। जून में रिलीज हुई 'सम्राट पृथ्वीराज' से लेकर जुलाई में 'शमशेरा' और 'एक विलेन रिटर्न्स' तक करीब 17 फिल्में रिलीज हो चुकी है, लेकिन कोई भी फिल्म ऐसी नहीं है जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई हो और उसने धुआंधार कमाई की हो। तो चलिए आज हम आपको जून और जुलाई में रिलीज हुई फिल्मों और उनके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। सम्राट पृथ्वीराज अक्षय कुमार की बड़ी पीरियॉडिक फिल्मों से एक है। लेकिन यशराज की ये फिल्म इस साल की और अक्षय कुमार के करियर की सबसे बड़ी डिजास्टर साबित हुई है। 175 करोड़ रुपये में निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन बनी फिल्म ने महज 90.32 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। विक्रम के जरिए कमल हासन ने पर्दे पर चार साल बाद वापसी की थी। लेकिन कमल हसन का ये कमबैक सफल रहा। इस फिल्म में कमल हासन के अलावा सूर्या और विजय सेतुपति भी थे। 150 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 442.45 करोड़ रुपये का करोबार किया था। 26/11 को हुए मुंबई के ताज होटल में हुए हमले में शहीद मेजर संदीप उननेकृष्णन के जीवन पर बनी इस फिल्म में मेजर का किरदार आदिवि शेष ने निभाया है। ये फिल्म पैन इंडिया रिलीज हुई थी और 35 करोड़ के ने कंडोम सेल्स गर्ल की मुख्य भूमिका निभाई है। करीब 12 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर 5.12 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अभिमन्यू दसानी, शिर्ले सेतिया और शिल्पा शेट्टी स्टारर ये फिल्म इस साल की सुपर फ्लॉप फिल्मों में शामिल है। 15 करोड़ के

बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड 64 से 66 करोड़ की कमाई की है। कंडोम जैसे बोल्ड विषय को लेकर जय बसंतु के निर्देशन में बनी फिल्म जनहित में जारी भी सुपर फ्लॉप हुई थी। हालांकि इस फिल्म की कहानी भी सबसे अलग थी, लेकिन फिर भी दर्शकों ने फिल्म को नकार दिया। जनहित में जारी में नुसरत भरूचा बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 1.77 करोड़ का कारोबार किया था। निकम्मा तेलुगू फिल्म मिडिल क्लास अब्बाई का हिंदी रीमेक है। यशराज के बैनर तले बनी ये फिल्म भी ब्लॉकबस्टर नहीं साबित हो पाई। इस फिल्म में वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर मुख्य भूमिका में शामिल थे।

राम सेतु से पहले अक्षय की इन फिल्मों पर हुआ बवाल, हिंदू संगठनों के निशाने पर आ गए थे एक्टर

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्मों का रिलीज से पहले विवादों में घिरना अब आम बात हो गई है। ट्विटर पर आए दिन बॉलीवुड बायकॉट ट्रेंड होता है, जिसके साथ सोशल मीडिया यूजर्स नई फिल्मों का बायकॉट करते हैं और इस विवाद से अक्षय कुमार भी खुद को बचा

नहीं पाए हैं। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' रिलीज के लिए तैयार है और यह फिल्म भी सिनेमाघरों में आने से पहले विवाद में फंस गई है। आरोप है कि फिल्म में गलत तथ्य जोड़े गए हैं। बीजेपी नेता सुब्रमण्यण स्वामी ने अभिनेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की धमकी भी दी है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब अक्षय कुमार की फिल्म पर विवाद हो रहा है। इससे पहले भी कई फिल्मों पर हंगामा हो चुका है। 90 के दशक में आई कुछ ही फिल्मों में बोल्ड सीन रहे हैं, जिन्हें भी आलोचना का सामना करना पड़ा है। साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'खिलाडि़यों का खिलाड़ी' भी इसमें शामिल है। अक्षय कुमार और रेखा ने इस फिल्म में काफी बोल्ड सीन्स दिए थे। दोनों के लव मेकिंग सीन्स ने लोगों के होश उड़ा दिए थे, जिस वजह से अक्षय कुमार की कड़ी आलोचना हुई थी। 'गुड न्यूज' को फैंस का अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला था लेकिन इस फिल्म में अक्षय कुमार के एक सीन पर काफी विवाद हुआ था। उस सीन में एक व्यक्ति अक्षय कुमार से कहता है, 'मेरे बच्चे का नाम होला राम है क्योंकि वो होली पर दिया हुआ था', जिसके जवाब में अक्षय ने कहा था कि अच्छा हुआ आपका बचा लोहरी पर नहीं हुआ। अभिनेता के इस सीन को ट्रेलर में भी शामिल किया गया था। फिल्म का यह सीन दर्शकों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया था। कई लोगों ने अक्षय पर भगवान राम का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'रुस्तम' को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने एक नौसेना अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जो अपनी पतने के प्रेमी की हत्या कर देता है। इस फिल्म के रिलीज से पहले अक्षय कुमार ने एलान किया था कि वह फिल्म में पहनने वाली वर्दी अच्छे काम के लिए नीलाम करेंगे, जिस पर काफी बवाल मच गया था। कहा गया था कि भारत में कभी भी वर्दी की नीलामी नहीं हुई है। इसी वजह अक्षय कुमार को भी ऐसा नहीं करना चाहिए। अक्षय कुमार की यह पहली फिल्म थी, जिसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म के नाम पर काफी विवाद हुआ था। अक्षय की इस फिल्म का असली नाम 'लक्ष्मी बॉम्ब' था, जिसे बदलकर 'लक्ष्मी' रखा गया था। फिल्म पर हिंदू भावनाओं को आहत करने का आरोप लगा था। हिंदू जनजागृति समिति और अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने दावा भी किया था कि फिल्म लव-जिहाद को बढ़ावा दे रही है क्योंकि अक्षय एक मुस्लिम चरित्र निभा रहे हैं जो कियारा आडवाणी द्वारा निभाई गई हिंदू लड़की से शादी करता है।अक्षय कुमार की पिछली फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' भी आलोचकों के निशाने पर आ गई थी।

'रॉकेट्री' की सफलता पर रजनीकांत ने माधवन को किया सम्मानित

नई दिल्ली। क्या आपने देखीं दोनों की यह तस्वीर?फिल्म 'रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट' की सफलता के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत ने आर माधवन से मुलाकात की है। इस सम्मानित किया है। हाल ही में, रजनीकांत ने आर माधवन और नंबी नारायण से मुलाकात की। साउथ सुपरस्टार ने फिल्म की सफलता के बाद माधवन और नंबी

दौरान साउथ अभिनेता ने माधवन को सम्मानित किया है। आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट' को दर्शकों का बेहद प्यार मिला। सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म में माधवन ने इसरो साइंटिस्ट नंबी नारायण की कहानी को दिखाया था। इस फिल्म के समर्थन में कई कलाकारों ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वहीं, अब इस फिल्म के लिए माधवन को साउथ सुपरस्टार रजनीकांत ने नारायण को सम्मानित किया। इस मौके की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। आर माधवन ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं। पहले वीडियो में रजनीकांत माधवन को शॉल ओढ़ाते हैं, जिसके बाद माधवन रजनीकांत के पैर छूते हैं। दूसरे वीडियो में रजनीकांत नंबी नारायण को शॉल ओढ़ाते दिख रहे हैं। इसके बाद, इस मौके की दो खूबसूरत तस्वीरें भी दिखाई गई हैं, जो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रही हैं। फैंस इस पोस्ट पर कमेंट कर अपना प्यार जाहिर कर रहे हैं। आर माधवन ने इस पोस्ट के साथ एक खूबसूरत कैप्शन दिया है, जिसमें उन्होंने रजनीकांत का धन्यवाद कहा है। उन्होंने लिखा, 'जब आपको एक-मैन इंडस्ट्री और खुद लीजेंड के सामने दूसरे लीजेंड से आशीर्वाद मिलता है। यह अनंत काल के लिए अंकित क्षण होता है। आपके दयालु शब्द और प्यार के लिए धन्यवाद रजनीकांत सर। इस प्रेरणा ने हमें पूरी तरह से तरोताजा कर दिया है। हम आपको पूरी दुनिया की तरह प्यार करते हैं।' सोशल मीडिया पर आर माधवन का यह पोस्ट खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस इस पोस्ट पर कमेंट कर दोनों कलाकारों और नंबी नारायण के लिए प्यार जाहिर कर रहे हैं।फिल्म 'रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट' जासूसी के झूठे आरोपों में गिरफ्तार हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में जहां इंटरवल से पहले नंबी नारायणन की उपलब्धियों और स्पेस विज्ञान में उनके योगदान को दर्शाया गया है। वहीं, इंटरवल के बाद उनके साथ हुए अत्याचार और अन्याय की लड़ाई को दिखाया गया है। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 40 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर भी आ चुकी है।

लोगों को सिनेमाघरों तक लाना चुनौती'

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन पर करण जौहर ने क्यों कही ये बात साल 2022 के सात महीने बीत चुके हैं और सिनेमा के लिहाज से ये सात महीने साउथ फिल्मों के नाम रहे। बॉलीवुड की कुछ फिल्मों को छोड़ दिया जाए, तो फैंस के बीच साउथ भी फिल्में छाई रहीं। जिस वजह से बॉलीवुड फिल्म मेकर्स दर्शकों की आलोचना

का शिकार हो गए हैं। कई लोगों ने दावा किया है कि अब बॉलीवुड खत्म हो गया है। सोशल मीडिया पर साउथ इंडस्ट्री को बॉलीवुड से ज्यादा अच्छा बताया जा रहा है और इन बातों पर करण जौहर ने प्रतिक्रिया दी है। करण जौहर ने बॉलीवुड खत्म हो गया जैसी धारणा की गलत बताया है। करण जौहर ने कहा कि अच्छी फिल्में हमेशा दर्शकों के बीच अपनी जगह बना लेती हैं। (बॉलीवुड खत्म हो गया है) सब बकवास है। अच्छी फिल्में हमेशा काम करेंगी। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'भूल भुलैया 2' ने शानदार प्रदर्शन किया था। हमने 'जुगजुग जियो' को भी अच्छी कमाई करते हुए देखा है। जो फिल्में अच्छी नहीं हैं वे कभी काम नहीं कर सकती हैं और उन्होंने कभी काम किया भी नहीं है। करण जौहर ने ये भी कहा कि दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचकर लाना अब आसान नहीं रहा है। आपको ये पहले ही तय करना होगा कि आपकी फिल्म, ट्रेलर, प्रचार सब कुछ इतना अच्छा हो कि दर्शक सिनेमाघरों तक आएं। आपको अपनी पूरी ताकत लगानी होगी। यह एक चुनौती है। बीत दिनों, बॉक्स ऑफिस पर बड़े सितारों की फिल्में बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थीं, जिसमें 'बच्चन पांडे', 'हीरोपंती 2' और 'शमशेरा' शामिल हैं। लेकिन अब करण जौहर ने उम्मीद जताई है कि आने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित होंगी। उन्होंने कहा कि अब कई बड़ी फिल्में आ रही हैं। हमारे पास 'लाल सिंह चड्ढा', 'रक्षाबंधन' और 'ब्रह्मास्त्र 'है। फिर, रोहित शेट्टी की फिल्म (सर्कस) है और साल का अंत सलमान खान की फिल्म के साथ कर रहे हैं। आने वाले दिनों में देखने के लिए कई फिल्में हैं। हमारे पास लोगों का प्यार है और इसे बनाए रखने के लिए बस अब हमें अच्छा कॉन्टेंट बनाना है।

मशहूर बंगाली गायिका निर्मला मिश्रा का निधन, इन गानों से हुई थीं लोकप्रिय

नई दिल्ली। दक्षिणी कोलकाता की रहने वाली मशहूर बंगाली और उडि़या गायिका निर्मला मिश्रा का

निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए आवास पर रखा जाएगा और फिर अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। मशहूर बंगाली गायिका निर्मला मिश्रा का शनिवार देर हार्ट अटैक की वजह से निधन हो गया। वह 81 साल की थीं और गंभीर बीमारियों से जूझ रही थीं। दक्षिणी कोलकाता के चेतला क्षेत्र में उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। कई बंगाली और उडि़या फिल्मों में अपनी आवाज देने वाली गायिका कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। यहां कर सकते हैं अंतिम दर्शन डॉक्टर ने बताया कि उनको शनिवार देर रात करीब 12.05 बजे दिल का दौरा पड़ा और उन्हें नजदीकी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने गायिका को मृत घोषित कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गायिका के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए सुबह करीब 11 बजे रवींद्र सदन ले जाया जाएगा, जहां फैंस उनको अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जताया दुख मशहूर गायिका के निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख जताया है। 1938 में पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में जन्मी निर्मला मिश्रा संगीत सुधाकर बालकृष्ण दास पुरस्कार ये सम्मानित हैं। ये पुरस्कार उन्हें उडिया संगीत में उनके जीवनभर के योगदान के लिए दिया गया था। ये हैं कुछ मशहूर गीत निर्मला मिश्रा के लोकप्रिय बंगाली गीतों में 'इमोन एकता झिनुक', 'बोलो तो अर्शी' और 'ई बांग्लार माटी चाय' शामिल है, जबकि उनके कुछ हिट उडिया गाने 'निदा भरा राती मधु झारा जान्हा' और 'मो मन बीना रा तारे' हैं।

इंडस्ट्री में काजोल ने पूरी की तीन दशक की पारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड की शानदार अभिनेत्री काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री में तीस साल का सफर पूरा कर लिया है। अपने करीब तीन दशक के करियर में काजोल ने एक से जाएंगे', 'गुप्त', 'प्यार तो होना ही था', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'फना', 'ताना जी' जैसी यादगार फिल्में भी शामिल हैं। बॉलीवुड में शानदार 30 साल गया है। बता दें कि इस वीडियो में उनकी फिल्मों- 'बेखुदी', 'दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे', 'गुप्त', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'प्यार तो होना ही था', 'कुछ कुछ होता है',

बढ़कर एक शानदार फिल्में दी हैं। बता दें कि काजोल की बॉलीवुड में बोहनी फिल्म 'बेखुदी' से हुई। यह फिल्म 31 जुलाई 1992 को रिलीज हुई थी। इसके बाद से काजोल ने कई यादगार फिल्में दी हैं। इनमें 'बाजीगर', 'दिल वाले दुल्हनिया ले पूरे होने के मौके पर काजोल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस का आभार जताया है। काजोल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो साझा की है। इसमें उनकी तीस साल के सफर की चुनिंदा फिल्मों को संजोया 'कभी खुशी कभी गम', 'फना', 'माय ने इज खान', 'हैलिकॉप्टर इला' और 'त्रिभंग' की झलक है।

काजोल ने वीडियो के साथ एक प्यारा नोट भी लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'कल किसी ने पूछा कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं? वास्तव में इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। सिर्फ इतना ही कहा जा सकता है कि उन सभी के प्रति गहरी कृतज्ञता की भावना है, जिन्होंने बिना किसी शर्त के मुझ पर बेशुमार प्यार लुटाया है! 30 साल पूरे होने पर चीयर्स, गिनती अभी जारी है....!!'काजोल के इस पोस्ट पर फैंस ने शुभकामनाओं की झड़ी लगा दी है। फैंस उन्हें 'क्वीन' कह रहे हैं। एक यूजर ने बधाई देते हुए लिखा, 'बहुत बधाई! अभी हम तीस साल और आपको सपोर्ट करने के लिए यहां मौजूद हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आपकी 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' मेरी फेवरेट है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप लीजेंड हैं। मैं खुश हूं कि आप एक बार फिर अपने करियर को लेकर गंभीर हैं।' काजोल के इस 30 साल के सफर पर उनके पति और अभिनेता अजय देवगन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट साझा करके उन्हें बधाई दी है। अजय देवगन ने फिल्म 'तानाजी' से एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह और काजोल नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'सिनेमा में तीन दशक! तुमने कमाल का काम किया है। सच कहूं तो सिर्फ अभी शुरुआत है। अभी लंबा सफर तय करना बाकी है, कई फिल्में और यादें बाकी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार हैं- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

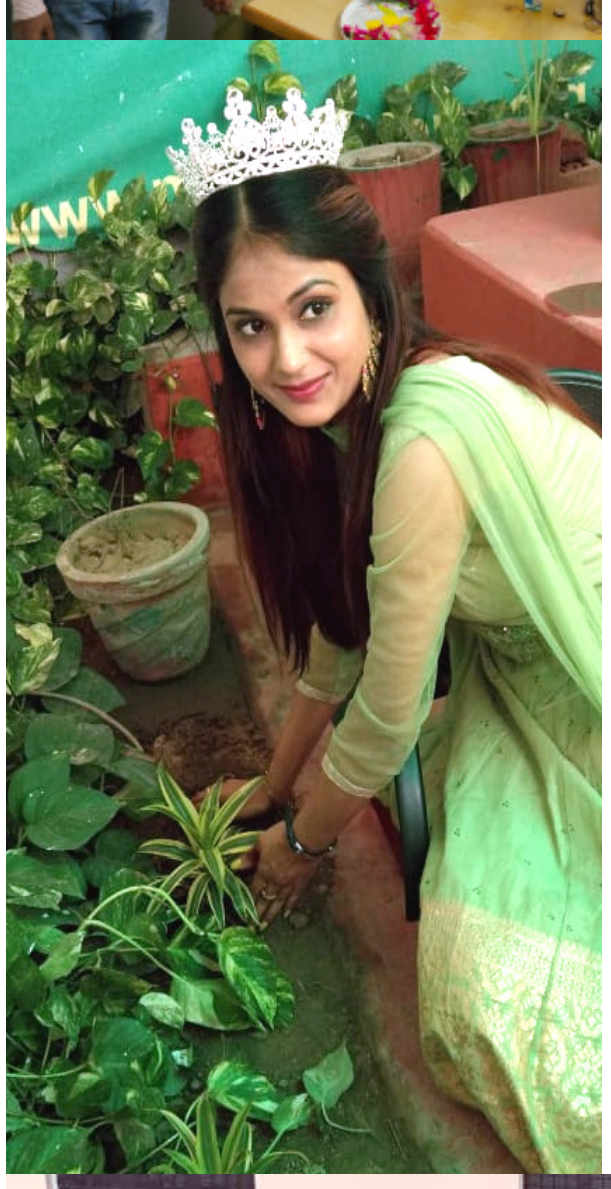

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेम्बली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रीकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट–: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल,
एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415606710, 6394370734,
7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274